लखनऊ

शुक्रवार, 18 सितंबर, 203

वर्ष : 12 । अंक: 25

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जब तक आप किसी काम को करने की कोशिश नहीं करते, तब तक वह काम नामुमकिन ही लगता है।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi | NIGHT 28° Low

संक्षेप

सीजीएचएस का दायरा बढ़ा: विवाहित और बीमार भाई-बहन भी योजना में शामिल, योगदान राशि में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (CGHS) के दायरे को लगातार और व्यापक बनाया जा रहा है। हाल ही में स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस योजना के नियमों में बड़े बदलाव करते हुए इसके दायरे में कई नए रिश्तों को शामिल किया है। इसमें सबसे खास बात यह है कि लाभार्थियों की संख्या बढ़ने के बावजूद, कार्डधारकों के मासिक या वार्षिक योगदान में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है, जो कि प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस से बिल्कुल अलग है। बता दें कि स्वास्थ्य मंत्रालय के 7 सितंबर के ऑफिस मेमोरेंडम के अनुसार, अब सीजीएचएस लाभार्थियों के माता-पिता द्वारा कानूनी रूप से गोद ली गई बहनों को भी आश्रित परिवार के सदस्यों के रूप में योजना में शामिल कर लिया गया है। हालांकि, इन्हें भी जैविक बहनों की तरह ही कुछ शर्तों जैसे कि एक ही घर में रहना, 9000 रुपये प्रति माह से अधिक की आय न होना और अविवाहित/तलाकशुदा/परित्यक्त होना....को पूरा करना होगा। इतना ही नहीं बीते 1 सितंबर को जारी आदेश के मुताबिक, अब सीजीएचएस की पात्रता का विस्तार करते हुए उन विवाहित बेटों और भाइयों को भी इसमें शामिल कर लिया गया है, जो गंभीर या असाध्य रूप से बीमार हैं इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि पहले बेटों और भाइयों के लिए उम्र सीमा तय थी और शादी होते ही उनका नाम सूची से हट जाता था। लेकिन नए नियमों के तहत अब शादी को कवर समाप्त होने का आधार नहीं माना जाएगा, बशर्ते वे गंभीर बीमारी या स्थाई विकलांगता से जूझ रहे हों। बात अब बादलाव की करें तो अब यह आजीवन कवरेज पुरानी विकलांगता के साथ-साथ क्रोनिक, गंभीर या टर्मिनल बीमारियों पर भी लागू होगा, जिनके कारण कमाने की क्षमता खत्म हो जाती है।

मणिपुर के राहत शिविरों में अप्राकृतिक मौतों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सरकार से पूछा- 20-30 हजार मुआवजा क्यों दिया?

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर हिंसा के बाद राहत शिविरों में रह रहे विस्थापित लोगों की अप्राकृतिक मौतों की खबरों पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। कोर्ट ने राज्य सरकार से इन मौतों की पूरी जानकारी और जांच की स्थिति बताने को कहा है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस मोहना की बेंच ने गुरुवार को मणिपुर हिंसा से जुड़े यौन हिंसा के मामलों की सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिया। कोर्ट ने मणिपुर के मुख्य सचिव को 25 अप्राकृतिक मौतों से जुड़ी पूरी जानकारी देने को कहा है। इसमें मौत की वजह, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और इससे जुड़े दूसरे दस्तावेज शामिल हैं। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि विस्थापित लोगों की सुरक्षा और सम्मान बनाए रखने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। कोर्ट ने राहत शिविरों में रहने वाले लोगों को पर्याप्त मेडिकल सुविधा और रोजमर्रा की जरूरी चीजें उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। कोर्ट ने उस रिपोर्ट का भी संज्ञान लिया, जिसमें 8 जिलों के राहत शिविरों में 640 मौतों का जिक्र है।

कलाकार ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर उन्हें समर्पित किया 'आशीर्वाद का दीया' गाना

हर आशीर्वाद मेरे संकल्प को करता है मजबूत: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने अन्नपूर्णा योजना की चौथी किस्त जारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। आज PM नरेंद्र मोदी 76वां जन्मदिन है। इस मौके पर देशभर में तमाम कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के बर्थडे को खास बनाने के लिए एक आर्टिस्ट ने उन्हें डेडिकेट करते हुए 'आशीर्वाद का दीया' नाम से सॉन्ग तैयार किया है। इस गाने के जरिए कलाकार अमन पंत ने पीएम मोदी की लीडरशिप, जनकल्याण और राष्ट्रसेवा के लिए किए गए कामों की तारीफ की है। प्रधानमंत्री मोदी के समर्थकों के बीच यह सॉन्ग चर्चा का विषय बना हुआ है।

ये गाना सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए म्यूजिक कंपोजर अमन पंत ने लिखा, 'हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साल-दर-साल देश की सेवा और काम करते हुए देखा है। हम हमेशा उन्हें कुछ खास समर्पित करना चाहते थे और आज हमें वह मौका मिला है। यह गाना आशीर्वाद का दीया इस महान देश के लिए उनकी 25 साल की सेवा को हमारा सम्मान है। जन्मदिन की बधाई हो। 17 सितंबर को हम आपके लिए एक दीया जला रहे हैं।'

हर आशीर्वाद मेरे संकल्प को करता है मजबूत- PM मोदी

इस गाने की तारीफ करते हुए PM मोदी ने लिखा, 'कुछ बातें या अंदाज बहुत खास होते हैं! Ashirwad Ka Diya प्यार का एक ऐसा ही इजहार है जिसने मेरे दिल को गहराई से छू लिया है। हर आशीर्वाद हमारे प्यारे भारत की और भी ज्यादा निष्ठा के साथ सेवा करने के मेरे संकल्प को मजबूत करता है।'

PM मोदी के जन्मदिन पर देशभर में हो रहे तमाम कार्यक्रम

दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन का उत्साह वाराणसी से गुजरात में उनके गृह नगर वडनगर तक नजर आ रहा है। काशी और उज्जैन सहित भारत के कई धार्मिक स्थलों पर प्रधानमंत्री मोदी की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए पूजा-अर्चना हो रही है। तमाम शहरों में दीये जलाने की तैयारियां भी हैं। वहीं, वाराणसी से वडनगर तक Gen-Z की बाइक रैली निकालने का प्रोग्राम भी प्रस्तावित है।

भाजपा शुरू कर रही 'संकल्प सेवा अभियान'

वहीं, भाजपा, प्रधानमंत्री मोदी के बर्थडे यानी आज से 17 अक्टूबर तक 'संकल्प सेवा अभियान' की शुरू कर रही है। इस अभियान में भारत के अलग-अलग हिस्सों में जनकल्याण और सेवा से जुड़े कई प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे। पार्टी वर्कर्स और केंद्रीय मंत्री लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पब्लिक लाइफ के 25 साल पूरे होने के मौके पर आशीर्वाद का दीया जलाने का आह्वान कर रहे हैं।

गिरिराज सिंह ने पीएम मोदी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का किया जिक्र

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज विश्वकर्मा पूजा भी है। पीएम मोदी के जन्मदिन के मौके पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि लोग प्रधानमंत्री की लंबी उम्र की कामना के साथ रक्तदान कर रहे हैं।

पीएम के जन्मदिन का जश्न: वडनगर से वाराणसी तक बाइक रैली

भाजपा प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर देशव्यापी जश्न मना रही है। आज गुजरात में उनके जन्मस्थान वडनगर से संसदीय क्षेत्र वाराणसी (उत्तर प्रदेश) तक बाइक रैली का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेता मौजूद हैं।

पीएम मोदी के 25 साल गरीब कल्याण के लिए याद किए जाएंगे- अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को वडनगर में 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत की। उन्होंने पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों को गरीब कल्याण और देश की समृद्धि की नींव रखने वाला दौर बताया। शाह ने कहा कि यह समय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इस अवधि में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। शाह ने आवास, शौचालय, नल का पानी, बिजली, भोजन और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर किए गए कार्यों का भी जिक्र किया।

1.5 करोड़ महिलाओं को सीधे बैंक खातों में आर्थिक मदद

'माताओं-बहनों को कुछ मांगना नहीं पड़ेगा', पीएम मोदी ने बंगाल में दी अन्नपूर्णा योजना की चौथी किस्त

कोलकाता, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार, 17 सितंबर को पश्चिम बंगाल में अन्नपूर्णा योजना की चौथी किस्त जारी की है। पीएम मोदी ने इस मौके पर बंगाल की माताओं-बहनों को संबोधित किया।

पीएम मोदी ने अन्नपूर्णा योजना की किस्त जारी करते हुए कहा, 'आज कई महिलाओं को सीधे उनके बैंक खातों में आर्थिक मदद मिल रही है। इसमें कोई बिचौलिया नहीं है और न ही कोई कट मनी है।'

1.5 करोड़ बहनों के खाते में पैसे ट्रांसफर

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'हमारी सरकार का मकसद यह पक्का करना है कि कोई भी पात्र महिला अन्नपूर्णा योजना के फायदों से वंचित न रहे। हम इस लक्ष्य को पाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'हमारी सरकार का मकसद यह भी है कि कोई भी पात्र महिला अन्नपूर्णा योजना के फायदों से वंचित न रहे। इस मकसद के लिए यहां तेजी से काम भी हो रहा है।' पीएम मोदी ने योजना के बारे में बताते हुए कहा, 'बंगाल में हमारी बहनों के बैंक खातों में हर महीने एक निश्चित रकम जमा की जाएगी, ऐसी रकम जिसके लिए उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह उनके लिए एक बड़ी मदद है।'

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'आज, अन्नपूर्णा योजना की चौथी किस्त लगभग 1.5 करोड़ बहनों के खातों में पहुंच रही है, जिससे उन्हें हर महीने 3,000 रुपये मिल रहे हैं। हमारा मानना है कि बंगाल की महिलाओं के पास फैसले लेने की ताकत और आगे बढ़ने का साहस, दोनों होने चाहिए।'

अन्नपूर्णा योजना से बढ़ेगा महिलाओं का आत्मविश्वास

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'अन्नपूर्णा योजना बंगाल की महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रयास है। हमारा विजन है कि बंगाल की महिलाओं में फैसले लेने की शक्ति हो और आगे बढ़ने का साहस भी।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'घर में हमारी माताओं और बहनों के कंधों पर कई जिम्मेदारियां होती हैं। कई छोटे-बड़े फैसलों के बीच महिलाएं हर तरह से परिवार का ख्याल रखती हैं और जब उनके लिए जरूरी खर्चों की चिंता कम हो जाती है, तो उनका आत्मविश्वास और भी बढ़ जाता है।' पीएम मोदी ने इस योजना के लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, 'आज अन्नपूर्णा योजना के जरिए बंगाल की माताओं और बहनों के सशक्तिकरण की दिशा में एक नया कदम उठाया गया है। मैं उन सभी माताओं और बहनों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं जिन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा।'

1 जून, 2026 से शुरू हुई अन्नपूर्णा योजना

पश्चिम बंगाल अन्नपूर्णा योजना की शुरुआत 1 जून, 2026 से हुई। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस योजना की आधिकारिक घोषणा 19 मई, 2026 को की गई थी।

किरण बेदी ने दिल्ली हाई कोर्ट में की पक्षकार बनने की मांग, सरकार ने किया विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में पूर्व IPS अधिकारी किरण बेदी की याचिका का विरोध किया। बेदी ने हाल ही में सत्य निकेतन पीजी हादसा मामले में खुद को पक्षकार बनाने की मांग की थी। केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम की ओर से पेश हुए एएसजी चेतन शर्मा ने कहा कि उन्हें किरण बेदी का बहुत सम्मान है, लेकिन उन्हें पक्षकार बनाने के आवेदन का विरोध करने के निर्देश मिले हैं क्योंकि वह इस मुद्दे पर पूर्वाग्रह से ग्रसित थीं।

मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने शुरू में कहा कि किरण बेदी एक जागरूक नागरिक हैं, उनका वर्षों का प्रशासनिक अनुभव कोर्ट के लिए मददगार साबित हो सकता है। हालांकि, शर्मा ने कोर्ट से अपील करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को पक्षकार बनाने के आवेदन पर जवाब दाखिल करने का मौका दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कोर्ट को पहले अधिकारियों द्वारा दाखिल किए जाने वाले स्थिति रिपोर्टों का इंतजार करना चाहिए। मुझे विरोध करने के निर्देश मिले हैं।

पूर्वाग्रह वाले बयान पर HC ने क्या कहा?

इस पर कोर्ट ने कहा कि पक्षकार बनने का आवेदन किसी प्रकार का उत्तर दाखिल करने के लिए नहीं बल्कि पीठ की सहायता के लिए है। न्यायालय ने आगे कहा कि हम उनके लंबे अनुभव का लाभ उठा सकते हैं। पूर्वाग्रह वाली टिप्पणी पर कोर्ट ने कहा कि कोई पूर्वाग्रह नहीं है, और एएसजी शर्मा से मामले को प्रतिपक्षी रूप से न लेने के लिए कहा। हाई कोर्ट ने यह भी कहा है कि यदि यह पाया जाता है कि निर्माण वैध अनुमति के तहत नहीं किया गया था, तो एमसीडी इस चूक के लिए दोषी अधिकारी या कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करेगी।

पीएम मोदी ने योग और कुंभ को ग्लोबल स्टेज पर दिलाई पहचान : काशी-वडनगर रैली में बोले योगी

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 सितंबर को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने वैश्विक मंच पर भारत की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने योग को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान और यूनेस्को द्वारा कुंभ मेले को 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' का दर्जा दिए जाने को फिर से उभरते नए भारत की अहम उपलब्धियां बताया। 'काशी-वडनगर' के बीच 20 दिन की यूथ बाइक रैली को हरी झंडी दिखाते हुए सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के शासन में इन बदलावों ने दुनिया भर में भारत को एक खास पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि चाहे केदारनाथ हो, बद्रीनाथ धाम हो या महाकाल लोक कॉरिडोर, ये विकास कार्य 'नए भारत' की एक नई तस्वीर पेश करते हैं। यह हमारी सांस्कृतिक जड़ों के प्रति हमारे गहरे सम्मान को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पिछले दशक में भारतीय परंपराओं को दुनिया भर में अभूतपूर्व सम्मान मिला है। उन्होंने योग को वैश्विक पहचान दिलाने और कुंभ मेले को यूनेस्को का सांस्कृतिक विरासत का दर्जा दिलाने का श्रेय मोदी के निर्णायक नेतृत्व को दिया। प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक सफ़र पर बात करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरा देश और दुनिया मोदी जी की अथक मेहनत, तपस्या और समर्पण की गवाह बन रही है; उन्होंने वडनगर के एक गाँव से अपना सफ़र शुरू किया और दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनीतिक नेता के तौर पर उभरे।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और रैली में शामिल होने वाले सैकड़ों युवा स्वयंसेवक मौजूद थे। मुख्यमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री मोदी के जन्मस्थान वडनगर को उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी से जोड़ने वाले 20 दिन के इस अभियान को एक अहम पहल बताया। बाइक सवार रोज़ाना 100 किलोमीटर का सफ़र तय करेंगे और कई राज्यों में हर दिन चार कम्युनिटी आउटरीच और सेवा कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

'हमें मजबूर न करें ...', रिलीफ कैंपों में हुई मौतों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर को लगाई फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मणिपुर के राहत कैंपों में कथित अप्राकृतिक मौतों और यौन उत्पीड़न के मामलों पर चिंता जताई। राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कोर्ट ने मणिपुर के मुख्य सचिव को सभी 25 संदिग्ध मौतों पर एक विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया, जिसमें पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मौत के कारणों से जुड़े दस्तावेज शामिल हों।

चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच मणिपुर में 2023 की जातीय हिंसा से जुड़े यौन हिंसा के मामलों की जांच और कार्यवाही से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली कमेटी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कोर्ट ने राहत कैंपों में रह रहे विस्थापित लोगों की सुरक्षा और सम्मान को लेकर गंभीर सवाल उठाए। कोर्ट ने मणिपुर के एडवोकेट जनरल से उस जानकारी के बारे में भी सवाल किया जो कमेटी ने 4 जुलाई को रिलीफ कैंपों में रह रहे विस्थापित लोगों की 25 अप्राकृतिक मौतों के संबंध में मांगी थी।

'अदालत को आदेश जारी करने के लिए मजबूर न करें'

सख्त रुख अपनाते हुए मुख्य न्यायाधीश ने राज्य सरकार से कहा, ₹अपने मुख्य सचिव से कहें कि वे अदालत को आदेश जारी करने के लिए मजबूर न करें। हमें बताएं कि आपने क्या कदम उठाए हैं।₹ सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर सरकार को निर्देश दिया कि वह मीडिया में बताई गई राहत शिविरों में हुई सभी 25 संदिग्ध मौतों की पूरी जानकारी दे।

एएसजी ने कोर्ट को क्या बताया?

सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कोर्ट को बताया कि आठ जिलों में 42 स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीमें बनाई गई हैं। कुल 3,020 मामलों की जांच चल रही है। 302 मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई हैं और 1,583 मामलों में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की गई हैं। 1,135 मामलों में जांच जारी है, जबकि 33 मामलों में ट्रायल शुरू हो चुका है। पीड़ितों की ओर से पेश वकील ने बताया कि गुवाहाटी की स्पेशल कोर्ट हफ्ते में सिर्फ दो दिन मामलों की सुनवाई कर रही है। इसके जवाब में चीफ जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि हफ्ते में दो दिन सुनवाई होने से भी मुकदमों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, लेकिन सीबीआई के मामलों की सुनवाई के लिए दो स्पेशल कोर्ट बनाने की संभावना पर भी विचार किया जाना चाहिए। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह इस मामले में गुवाहाटी हाई कोर्ट की जरूरतों को पूरा करने पर तुरंत विचार करे।

संसदीय समिति में यूपीआई टैक्स पर नहीं हुई थी कोई चर्चा, कांग्रेस ने खारिज किए सरकारी दावे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को इस दावे को गलत बताया कि वित्त संबंधी संसद की स्थायी समिति में शामिल उसके सदस्यों ने अधिक यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने के फैसले का समर्थन किया था। मुख्य विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ''यूपीआई कर'' के फैसले के बाद पैदा हुए ''बड़े जनाक्रोश'' से ध्यान भटकाने के लिए ''बेहद घटिया'' प्रयास कर रही है। उसकी यह प्रतिक्रिया सरकार द्वारा राहुल गांधी की उस टिप्पणी पर सवाल उठाए जाने के बाद आई, जिसमें उन्होंने 2,000 रुपये से अधिक के व्यापारिक यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने के फैसले की आलोचना की थी।

सरकार ने कहा कि संसद की स्थायी समिति ने ऐसी व्यवस्था का समर्थन किया था और समिति में कांग्रेस के सदस्यों ने भी इसका समर्थन किया था। सरकार के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि वित्त संबंधी संसद की स्थायी समिति ने यूपीआई के लिए 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर)/राजस्व व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया था और कहा था कि इसे बिना देरी अधिसूचित कर लागू किया जाना चाहिए। भाजपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि समिति में शामिल पांच कांग्रेस सांसदों पी. चिदंबरम, मनीष तिवारी, गौरव गोगोई, किशोरी लाल शर्मा और के. गोपीनाथ 12 अगस्त को रिपोर्ट को अंगीकार किए जाने के समय मौजूद थे और उनकी ओर से कोई असहमति दर्ज नहीं की गई।

काशी विश्वनाथ धाम में विशेष पूजा: सीएम योगी, रक्षामंत्री ने काटा केक; चंद्रबाबू नायडू व चिराग पासवान रहे मौजूद

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर उनकी लंबी आयु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। इस विशेष अवसर पर कई प्रमुख हस्तियां वाराणसी पहुंचीं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान समेत दिग्गजों ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में विधि-विधान से पूजन किए। पूजन कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी उपस्थित रहे।

सभी नेताओं ने मिलकर प्रधानमंत्री के दीर्घायु जीवन के लिए प्रार्थना की। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में आयोजित यह कार्यक्रम भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। पूजन के

बाद सभी नेताओं ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परिसर का दौरा किया। उन्होंने वहां स्वच्छता प्रहरियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इन प्रहरियों को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया।

इसके अतिरिक्त, उपस्थित सभी दिग्गजों ने श्रद्धालुओं और आम जनता के बीच केक काटा और लोगों में वितरित भी किया। यह आयोजन प्रधानमंत्री के प्रति सम्मान और जनसेवा के भाव को दर्शाता है। इस दौरान डमरू वादन भी किया गया।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में पूजन का विशेष महत्व रहा। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा संपन्न हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री के स्वस्थ और सफल जीवन की कामना की। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी पूजन में भाग लिया। इस दौरान धाम परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

देश को प्रधानमंत्री मोदी पर गर्व : नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन मनाना खुशी और गर्व की बात है। देश को प्रधानमंत्री मोदी पर गर्व है और उन्होंने देश को बहुत गौरव दिलाया है। उन्होंने कहा कि आने वाले 25 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनेगा।

स्वच्छता प्रहरियों का सम्मान

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परिसर में स्वच्छता प्रहरियों का सम्मान एक महत्वपूर्ण पहल थी। इन प्रहरियों ने कॉरिडोर को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाई है। उनके अथक प्रयासों की सराहना की गई। सम्मान समारोह के बाद सभी नेताओं ने केक काटा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में खुशी का माहौल देखा गया। यह आयोजन जनसेवा और स्वच्छता के संदेश को भी प्रसारित करता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज हम सभी के लिए गौरव और सौभाग्य का दिन है। भारत के प्रधानमंत्री और काशी के सांसद नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर बाबा विश्वनाथ धाम में पूजन कर उनके स्वस्थ रहने की कामना की गई। यहां के पुरोहितों और आचार्यों का सम्मान किया गया। वडनगर से काशी तक बाइक रैली में शामिल बाइकर्स से संवाद कर प्रसाद वितरित किया गया। इसके साथ ही श्री काशी विश्वनाथ धाम में सेवा देने वाले सफाई कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया।

बटुकों और तीर्थ पुरोहितों का सम्मान

विशेष पूजन के बाद मंदिर परिसर में मंगलाचरण करने वाले बटुकों और तीर्थ पुरोहितों का सम्मान किया गया। उन्हें अंगवस्त्रम और दक्षिणा प्रदान की गई। विश्वनाथ धाम में सेवा देने वाले स्वच्छता प्रहरियों का भी नागरिक अभिनंदन किया गया। उन्हें प्रसाद, अंगवस्त्रम और दक्षिणा भेंट की गई। सम्मान और प्रसाद की सामग्री पर्यावरण अनुकूल जूट के झोलों में वितरित की गई।

प्रधानमंत्री आजीवन स्वस्थ रहें : राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर काशी में पूजा-अर्चना की गई। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के आजीवन स्वस्थ रहने की कामना की, ताकि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

काली नागिन के डसने से बच्ची की मौत, चचेरा भाई अस्पताल में भर्ती

अकोला (आगरा)। थाना कागारौल क्षेत्र के गांव मुरकिया में बुधवार रात चारपाई पर सो रहे चचेरे भाई बहन को विषैले सांप ने डस लिया। गुरुवार सुबह अस्पताल ले जाते समय बहन की मृत्यु हो गई। वहीं भाई का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

गांव मुरकिया निवासी 10 वर्षीय कामिनी पुत्री स्वर्गीय मुकेश कुमार और उसका चचेरा भाई पंकज पुत्र राकेश बुधवार रात चारपाई पर सो रहे थे। रात करीब ढाई बजे पंकज लघुशंका के लिए जागा। ठंड लगने पर पास रखी गेहूं की बोरी से कंबल निकालने लगा। इसी दौरान बोरी में छिपे सांप ने उसके बाएं पैर में डस लिया। शोर सुनकर स्वजन जाग गए। स्वजन पंकज को पास के गांव बीसलपुर में बायगीर के पास ले गए। करीब 15 मिनट तक आराम नहीं मिलने पर उसे शमसाबाद रोड स्थित निजी जीआर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है।

बुलंदशहर में सनसनीखेज वारदात : लालाराम की हत्या कर मुख्यमार्ग पर फेंका शव, सिर पर कई वार, कटी मिली एक टांग

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर में शिकारपुर थाना क्षेत्र के गांव रानाइच में एक सनसनीखेज वारदात हुई है। यहां 45 वर्षीय लालाराम की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। मृतक का शव गांव के मुख्य रास्ते पर मिला। शव की हालत देखकर हत्यारों की क्रूरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। लालाराम की एक टांग भी कटी मिली थी। उनके सिर पर धारदार हथियार से कई वार किए गए थे। इस सनसनीखेज वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक समेत भारी पुलिसफोर्स तुरंत मौके पर पहुंचा। फॉरेंसिक टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। टीम ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुख्य मार्ग पर फेंका शव

लालाराम का शव जिस जगह मिला, वह गांव का मुख्य मार्ग है। हत्यारों ने शव को खुले में फेंककर पुलिस को चुनौती दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्या किसी धारदार हथियार से की गई। सिर पर गहरे घाव पाए गए हैं, जो मौत का कारण बने। पुलिस अब हत्या के पीछे के कारणों और आरोपियों की तलाश कर रही है।

जांच के लिए कई टीमों का गठन

पुलिस अधीक्षक ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मामले की जांच के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से गहन पूछताछ कर रही है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट और अन्य नमूने एकत्र किए हैं। पुलिस ने अज्ञात हत्यारों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

सुलतानपुर में 62.87 लाख से पब्लिक हेल्थ यूनिट लैब तैयार, विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने किया लोकार्पण

जयसिंहपुर (सुलतानपुर)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहपुर परिसर में 62.87 लाख रुपये की लागत से निर्मित पब्लिक हेल्थ यूनिट लैब का लोकार्पण विधायक ने किया। लैब का निर्माण उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड, खंड अयोध्या की ओर से कराया गया है। लोकार्पण के बाद विधायक राजप्रसाद उपाध्याय ने सीएचसी में भर्ती और उपचार करा रहे मरीजों को फल वितरित किए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में इस तरह की सुविधाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। सीएचसी परिसर में गोमती हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया। शिविर में दर्जनों लोगों ने रक्तदान किया। वहीं विधायक ने ब्लॉक परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया और लोगों से सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने की अपील की।

सांसद सतीश गौतम को एमपी-एमएलए कोर्ट का नोटिस, व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ विशेष न्यायालय एमपी-एमएलए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पॉक्सो कोर्ट ने सांसद सतीश गौतम को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का नोटिस जारी किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 18 सितंबर को होगी। लोकसभा 15 अलीगढ़ के पूर्व प्रत्याशी, भ्रष्टाचार विरोधी सेना तथा राष्ट्रीय सनातन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित केशव देव गौतम द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे के अनुसार आरोप है कि सांसद सतीश गौतम ने 3 और 4 अक्टूबर 2023 को पंडित केशव देव गौतम को डराने-धमकाने के लिए अपने गुर्गों को भेजा था।

इसके बाद, 2 नवंबर 2023 को सांसद के शूटरों द्वारा पंडित केशव देव गौतम के घर पर कथित तौर पर गोली चलवाई गई। इस जानलेवा हमले में पंडित केशव देव गौतम और उनके परिवार के सदस्य बाल-बाल बचे थे। इसी प्रकरण में न्यायालय ने सांसद सतीश गौतम को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए 18 सितंबर 2026 को होने वाली सुनवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 20 साल के लिए बनेगा डिजिटल नेटवर्क, 2500-3000 इंटरनेट प्वाइंट लगाने की तैयारी

आर्यावर्त संवाददाता

मल्हनी (जौनपुर)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अगले 20 वर्षों की जरूरत को ध्यान में रखकर डिजिटल नेटवर्क तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पूरे परिसर में करीब 2500 से 3000 इंटरनेट प्वाइंट लगाने की योजना है।

प्रशासनिक व शैक्षणिक भवनों, कक्षाओं, छात्रावासों, लाइब्रेरी, आवासीय परिसर और गेस्ट हाउस के साथ कैंपस के अन्य प्रमुख हिस्सों को भी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इसके लिए जिम्मेदारियां तय कर नेटवर्क की मौजूदा स्थिति और जरूरत का आकलन शुरू कर दिया गया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य केवल भवनों तक इंटरनेट पहुंचाना नहीं, बल्कि कैंपस में ऐसी कनेक्टिविटी तैयार करना है, जिससे विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी अपनी जरूरत के अनुसार उपयुक्त स्थान से डिजिटल संसाधनों का इस्तेमाल कर सकें।

पढ़ाई, शोध, कार्यालयी काम या ऑनलाइन सेवाओं के लिए इंटरनेट की सुविधा आसानी से उपलब्ध हो, इसके अनुसार प्वाइंट के स्थान तय किए जाएंगे। कक्षाओं और शैक्षणिक भवनों में ई-कंटेंट, ऑनलाइन अध्ययन सामग्री और डिजिटल अकादमिक संसाधनों का उपयोग किया जा सकेगा। लाइब्रेरी में ई-बुक, ई-जर्नल और शोध सामग्री तक पहुंच आसान होगी। छात्रावासों में विद्यार्थी अध्ययन और शोध से जुड़े ऑनलाइन संसाधनों का इस्तेमाल कर सकेंगे। प्रशासनिक भवनों में डिजिटल दस्तावेज, ऑनलाइन कार्यालयी कार्य और विभिन्न पोर्टल के संचालन के लिए नेटवर्क उपलब्ध रहेगा।

नेटवर्क की क्षमता तय करते समय विद्यार्थियों की संख्या में संभावित वृद्धि, ऑनलाइन शिक्षण, शोध, ई-लाइब्रेरी, स्मार्ट कक्षाओं और डिजिटल प्रशासन की भविष्य की जरूरतों को भी शामिल किया जा रहा है।

नवोदय विद्यालय का प्रिंसिपल करता था तंग, प्रताड़ना से तंग छात्रों ने खुद को हॉस्टल में किया बंद... कैसे माने छात्र?

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के जवाहर नवोदय विद्यालय में बुधवार देर रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों ने रात के खाने का बहिष्कार कर हॉस्टल में खुद को बंद कर लिया। छात्रों ने विद्यालय के प्रिंसिपल पर प्रताड़ना और परेशान करने के आरोप लगाए। छात्रों के विरोध की सूचना मिलते ही विद्यालय प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई।

छात्रों ने प्रिंसिपल को तत्काल हटाने की मांग को लेकर विरोध शुरू किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विद्यालय प्रशासन ने उच्च अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद एसडीएम सदर, सीओ टहरौली, थाना प्रभारी समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्रों से बातचीत कर उन्हें समझाने और स्थिति को सामान्य करने का प्रयास किया।

प्रिंसिपल को तत्काल हटाए जाने की मांग

हालांकि, छात्र अपनी मांगों पर अड़े रहे और उन्होंने प्रिंसिपल को तत्काल हटाए जाने की मांग की। देर रात तक अधिकारियों और छात्रों के बीच बातचीत का दौर चलता रहा। इस दौरान छात्रों ने हॉस्टल से बाहर आने और भोजन करने से इनकार कर दिया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने छात्रों की शिकायतों को सुना और उनकी मांगों पर कार्रवाई का लिखित आश्वासन दिया।

विद्यालय परिसर में काफी देर तक तनावपूर्ण स्थिति

अधिकारियों के आश्वासन के बाद छात्रों ने अपना विरोध समाप्त किया और हॉस्टल से बाहर आने के लिए तैयार हुए। छात्रों के इस विरोध के दौरान विद्यालय परिसर में काफी देर तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। हालांकि, अधिकारियों की मौजूदगी और लगातार बातचीत के बाद मामला शांत हो सका। फिलहाल छात्रों द्वारा लगाए गए प्रिंसिपल पर प्रताड़ना के आरोपों और उनकी अन्य शिकायतों को लेकर प्रशासन स्तर पर जांच और आगे की कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। मामले में विद्यालय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आने के बाद तस्वीर और साफ हो सकेगी।

नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से गूंज उठा रामजानकी मारवाड़ी धर्मशाला

आर्यावर्त संवाददाता

गोण्डा। रानी बाजार स्थित रामजानकी मारवाड़ी धर्मशाला में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान भगवान वामन के दिव्य चरित्र एवं भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया गया। प्रयागराज से पधारे कथा व्यास बालकृष्ण भार्गव जी महाराज ने अपनी ओजस्वी एवं मधुर वाणी से दोनों प्रसंगों का मार्मिक वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, सत्य, विनम्रता और भक्ति का संदेश दिया। भगवान वामन के चरित्र का वर्णन करते हुए कथा व्यास ने कहा कि भगवान का अवतार सदैव धर्म की स्थापना और भक्तों के कल्याण के लिए होता है। उन्होंने राजा बलि से भगवान वामन द्वारा तीन पग भूमि मांगने तथा विराट स्वरूप धारण करने के प्रसंग को विस्तार से सुनाया। कथा के इस प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का प्रसंग आते ही कथा स्थल उल्लास और भक्ति से सराबोर हो उठा। 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से पूरा धर्मशाला परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के बीच भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। कथा व्यास बालकृष्ण भार्गव जी महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल कथा नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, प्रेम, सदाचार और ईश्वर भक्ति की राह दिखाने वाला दिव्य ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि श्रद्धापूर्वक कथा श्रवण से मनुष्य के जीवन में आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है और उसे सत्य एवं सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्तिमय वातावरण में श्रीमद्भागवत कथा का रसास्वादन करते रहे।

10 दिन बाद मिली देवर-भाभी की लाश : नहर में एक साथ लगाई थी छलांग, प्यार में दे दी जान, ये थे आखिरी शब्द

आर्यावर्त संवाददाता

एटा। एटा के मिरहची थाना क्षेत्र में कूटेना नहर पुल के पास बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब नहर में एक पुरुष और महिला के शव दिखाई दिए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को नहर से बाहर निकलवाया। पुलिस जांच में दोनों की पहचान कासगंज निवासी देवर और भाभी के रूप में कर ली। पुलिस ने बताया कि दोनों में प्रेम संबंध थे।

थाना प्रभारी मिरहची विदेश राठी ने बताया कि सात सितंबर को दोनों कासगंज क्षेत्र में एक साथ नहर में कूद गए थे। घटना के बाद से परिजन दोनों की तलाश में जुटे थे। करीब दस दिन बाद बुधवार सुबह दोनों के शव कूटेना नहर में मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया।

मिरहची पुलिस ने कासगंज कोतवाली पुलिस को भी घटना की

सूचना दे दी है। पुलिस ने दोनों शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

भाई को कहे थे ये शब्द

कासगंज में 7 सितंबर रात के 3 बजे भाई के फोन की घंटी बजी, दूसरी तरफ से आवाज आई- 'हम मां की कसम खाते हैं, हजारा नहर में कूदकर जान दे रहे हैं...' और इसके बाद मोबाइल बंद हो गया!'

बता दें सदर कोतवाली पुलिस के मुताबिक, 8 सितबंर की सुबह पीआरवी-7910 के जरिये पुलिस को सूचना मिली कि नदरई स्थित हजारा नहर के पिकनिक पॉइंट के पास एक थैली में कुछ लावारिस सामान पड़ा है। जांच के दौरान पता चला कि सामान सदर कोतवाली के गांव मनौटा निवासी युवक और उसकी भाभी का है।

युवक सोमवार को सुबह घर से दवाई लेने की बात कहकर निकला था। उधर, हरियाणा के पानीपत में काम करने वाला उसका बड़ा भाई जब सोमवार रात कमरे पर पहुंचा तो उसकी पत्नी गायब थी और चार साल की बच्ची अकेली लेटी हुई थी। उसने जब भाई को फोन किया तो उसने बताया कि भाभी उसके साथ दिल्ली में है और चिंता की कोई बात नहीं है।

रात 3 बजे फोन कर कही जान देने की बात

सोमवार देर रात करीब 3:00 बजे युवक ने अपने भाई को फोन कर बताया कि वे दोनों नदरई स्थित हजारा नहर के पास हैं और मां की कसम खाते हैं कि हजारा नहर में कूदकर जान दे रहे हैं। इस दौरान महिला ने भी फोन पर बात की। उसने दोनों को मैसेज कर बहुत समझाया, लेकिन इसके बावजूद दोनों का फोन बंद हो गया।

अवैध संबंधों के चलते जान देने की आशंका

पुलिस जांच में सामने आया कि युवक ने वर्ष 2021 में अपने ही गांव की युवती से प्रेम विवाह किया था। इसके बाद मई 2025 से मई 2026 के दौरान वो, उसकी पत्नी और छोटा भाई अंबाला (हरियाणा) में एक साथ एक ही कमरे में रहते थे। इसी दौरान देवर और भाभी के बीच नजदीकियां और संबंध बन गए थे।

यूपी में सपा नेता की हत्या : प्रधान पति ने सुपारी देकर कराया पवन यादव का कत्ल, निहाल भेजता था रेकी के वीडियो

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज के हंडिया में सपा के गंगापार जिला सचिव व पूर्व ग्राम प्रधान पवन कुमार यादव की हत्या में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। सपा नेता की हत्या चुनावी रंजिश में पांच लाख रुपये की सुपारी देकर कराई गई थी। बुधवार को हत्याकांड का खुलासा किया गया। पुलिस ने बताया कि प्रधान पति विनोद यादव समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें से दो आरोपियों की निशानदेही पर अन्य आरोपियों को पकड़ने पहुंची पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई।

जवाबी फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र यादव उर्फ लल्ला और निहाल अहमद पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। उधर, आक्रोशित परिजनों ने सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया।

बुधवार को पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता के दौरान डीसीपी गंगापार कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि हंडिया के मुगरांव निवासी पवन कुमार यादव को मंगलवार को कस्बे में पिलर नंबर-52 के पास बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी थी।

गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बड़े भाई अशोक कुमार यादव की तहरीर पर हत्या की एफआईआर दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। जांच में मुगरांव निवासी विनोद कुमार यादव और बगहा निवासी बृजेश यादव का नाम सामने आया। दोनों को बुधवार दोपहर करीब 1:15 बजे सरायकस्तूरी बाग के पास गिरफ्तार किया गया। डीसीपी ने बताया कि आरोपी विनोद ने पूछताछ में बताया कि पवन की हत्या के पीछे पंचायत चुनाव को लेकर दोनों के बीच रंजिश थी। उसकी पत्नी ग्राम प्रधान है और उसे गांव में ईसीसीई एजुकेटर के पद पर संविदा पर लगाए जाने का पवन ने विरोध किया था। बाद में पवन की आपत्ति पर उसे पद से हटा दिया गया था। इस बात से भी दोनों के बीच कई बार विवाद हुआ था।

पुलिस के अनुसार जितेंद्र उर्फ लल्ला यादव का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ हंडिया, उतरांव, सैनी, कोखराज, नवाबगंज, शिवकुटी, धूमनगंज और भदोही समेत विभिन्न थानों में 44 एफआईआर हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, चोरी, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट समेत अन्य मामले शामिल हैं। निहाल अहमद के खिलाफ वाराणसी के सिगरा और भदोही के ज्ञानपुर थाने में तीन और बृजेश यादव के खिलाफ हंडिया थाने में दो प्राथमिकी दर्ज हैं।

बाग में छिपे थे दोनों

विनोद और बृजेश की निशानदेही पर टीम औरा पुलिया से जसवा की तरफ नहर रोड स्थित बाग में पहुंची। वहां पुलिस को देखकर बाइक सवार दो संदिग्ध भागने लगे। पीछा करने पर दोनों ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। पवन की हत्या में कई और भी अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि डेढ़ माह से चल रही पवन की हत्या की योजना की साजिश को अंजाम देने के लिए वारदात से एक दिन पहले चारों आरोपी विनोद यादव, जितेंद्र उर्फ लल्ला यादव, निहाल अहमद और बृजेश यादव गांव के बाहर एक स्थान पर मिले थे। यहां चारों के बीच पवन की हत्या को लेकर बातचीत हुई और अगले दिन वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई गई।

पहले उपेक्षा, अब सम्मान: सीएम योगी बोले-सृष्टि के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा, नए भारत के शिल्पी मोदी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भगवान विश्वकर्मा की पावन जयंती पर शिल्पकारों-कारीगरों सहित समस्त प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो देश शिल्पकारों व कारीगरों को सम्मान देता है, वही आगे बढ़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसी भावना को अपनाकर पीएम विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का प्लेटफार्म दिया है।

उन्होंने शिल्प व कारीगरी को आधुनिक तकनीक और नए बाजार से जोड़कर शिल्पकारों-कारीगरों को समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ाया है। सीएम योगी गुरुवार सुबह जटाशंकर स्थित श्री विश्वकर्मा पंचायत मंदिर में आयोजित श्री विश्वकर्मा पूजनोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मंदिर में भगवान विश्वकर्मा की विधि विधान से आराधना करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राजमिस्त्री, बढ़ई, हलवाई, सोनार का काम करने वालों सहित कारीगरी के तमाम पेशे से जुड़े लोगों के लिए उनकी शिल्प

कला ही स्वावलंबन का आधार थी। पर, यह हुनर, शिल्प-कारीगरी आजादी के बाद दशकों तक उपेक्षा का शिकार रही।

पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन में पहली बार डबल इंजन सरकार ने शिल्पकारों-कारीगरों को प्रशिक्षण, टूलकिट और रोजगार के विभिन्न आयामों के साथ जोड़कर उन्हें आगे बढ़ाया है। डबल इंजन सरकार के प्रोत्साहन से यूपी में आज तीन करोड़ से अधिक लोग कारीगरी, शिल्प से जुड़कर रोजगार और स्वावलंबन की राह पर सफलतापूर्वक आगे बढ़े हैं।

सीएम योगी ने कहा कि आज का दिन अत्यंत पवित्र है। आज सृष्टि के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती है तो साथ ही आज नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन भी है। आज हर कारीगर, शिल्पी जिसके पास कोई विशिष्ट शिल्प है, वह पूजन के जरिये सृष्टि के शिल्पी प्रभु विश्वकर्मा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी के सुदीर्घ स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा, 'गुरु गोरखनाथ की पावन धरा से भगवान विश्वकर्मा के मंदिर में सृष्टि के शिल्पी के श्रीचरणों में नमन करते हुए मैं यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन पर प्रदेशवासियों की तरफ से हृदय से बधाई देता हूं।

यह प्रार्थना है कि लंबे समय तक उनका मार्गदर्शन प्राप्त होता रहे और उनकी विकसित भारत की परिकल्पना साकार हो।' कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने श्री विश्वकर्मा पूजनोत्सव पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री का स्वागत श्री विश्वकर्मा पंचायत मंदिर समिति के अध्यक्ष दयानंद शर्मा ने किया। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, प्रदेश महामंत्री अभिजात मिश्रा, क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता, स्थानीय पार्षद छट्ठीलाल गुप्ता, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, श्री विश्वकर्मा पंचायत मंदिर समिति से जुड़े जयप्रकाश शर्मा, अनूप शर्मा, अजय विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही।

सीएम योगी ने दी बधाई : बोले– 145 करोड़ भारतीयों के जीवन में सुख और समृद्धि का नवप्रभात ला रहे पीएम मोदी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य व सुदीर्घ-यशस्वी जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने लिखा कि 145 करोड़ भारतीयों के जीवन में सुख, समृद्धि, सुरक्षा एवं स्वाभिमान का नवप्रभात लाने हेतु अविराम राष्ट्रयज्ञ में समर्पित, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता, 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के स्वप्नद्रष्टा, 'नए भारत के शिल्पी' और हमारे मार्गदर्शक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई।

मुख्यमंत्री ने लिखा कि 'राष्ट्र प्रथम' के पावन संकल्प, कर्मनिष्ठा एवं लोक-कल्याण के प्रति प्रधानमंत्री का समर्पित जीवन 'विकसित भारत'

के ध्येय को साकार करने का प्रेरणास्रोत है। आपके नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता, सुशासन, सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा वैश्विक प्रतिष्ठा के नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य एवं सुदीर्घ व यशस्वी जीवन प्रदान करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज 76वां जन्मदिन है। इस अवसर पर भाजपा की ओर से देश भर में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भाजपा 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक देशभर में 'सेवा संकल्प अभियान' चला रही है। इस मौके पर अलग-अलग दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई दी है और उनके स्वस्थ जीवन की कामना की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री जी को जन्मदिन की बधाई और स्वस्थ एवं सक्रिय साथक जीवन के लिए शुभकामनाएँ!

अयोध्या में बड़े पैमाने पर चलाया गया सफाई अभियान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर अयोध्या के लता मंगेशकर चौक पर 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान अयोध्या नगर निगम ने आयोजित किया था।

देश को 'विश्व गुरु' बनाने की दिशा में मार्गदर्शन करते रहें

अयोध्या की जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। यह उनके 25 वर्षों के समर्पित सेवा-कार्य का भी प्रतीक है जिसमें उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र, राज्य और पूरे देश के लिए काम किया है। इस अवसर को मनाने के लिए, हमने मेयर के नेतृत्व में यह तय किया कि सबसे उपयुक्त सम्मान एक स्वच्छता अभियान होगा... इस अभियान के माध्यम से, हम भगवान राम से प्रार्थना करते हैं और प्रधानमंत्री के लिए लंबी और स्वस्थ आयु की कामना करते हैं, ताकि वे हमारे देश को 'विश्व गुरु' बनाने की दिशा में मार्गदर्शन करते रहें।

जनता दर्शन : सीएम योगी ने सुनी लोगों की समस्याएं, बोले– घबराइए नहीं, हर समस्या का समाधान कराएंगे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बृहस्पतिवार को जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों की समस्याएं सुनीं। कहा कि घबराइए नहीं हर समस्या का समाधान कराएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न जिलों से 150 लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनता दर्शन महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित हुआ।

देवरिया से आए एक दिव्यांग ने इलाज के लिए सहायता देने का निवेदन किया। इस पर सीएम ने मौके पर ही अधिकारियों को समुचित व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया। दिव्यांग से बातचीत में पता चला कि उसका आयुष्मान कार्ड नहीं है, इस पर सीएम ने जल्द से जल्द आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को दिव्यांग पेंशन बहाल कराने के लिए भी निर्देशित किया।

सीएम ने गोशाला में गोसेवा की

इससे पहले सीएम ने प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ और अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ का आशीर्वाद लिया। फिर उन्होंने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। गोवंश को अपने हाथ से गुड़ खिलाकर उन पर स्नेह बरसाया। गोशाला के कार्यकर्ताओं से गोवंश के स्वास्थ्य एवं टीकाकरण की जानकारी ली। साथ ही देखभाल के जरूरी दिशानिर्देश दिए।

नागरिक सुरक्षा विभाग के 191 पदों पर जल्द होंगी भर्तियां, सबसे अधिक भर्ती सहायक उप नियंत्रक के पद पर

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को नौकरी के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिन पहले ही एक कार्यक्रम में 19 सितंबर से एक लाख नई नौकरी देने का ऐलान किया था। इसी क्रम में नागरिक सुरक्षा विभाग में छह अलग-अलग पदों पर कुल 191 रिक्तियों पर भर्ती की शुरू कर दी गयी है। इसमें सबसे अधिक सहायक उप नियंत्रक (सा.वे.) के 104 पद शामिल हैं। इसके अलावा भंडार अधीक्षक-द्वितीय, स्टोरमैन, आशुलिपिक, कनिष्ठ सहायक और डिस्पैच राइडर के पद भी शामिल हैं। योगी सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश के युवाओं को साढ़े नौ लाख से अधिक सरकारी नौकरी के अवसर उपलब्ध कराए हैं। वहीं प्रदेश के युवाओं को अगले छह माह में एक लाख नई नौकरी उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न विभागों को निर्देश दिये हैं।

अखिलेश ने एक्सप्रेसवे का दिखाया वीडियो, बोले– अब निर्माण पूरा बाद में होता है टूटने पहले लगता है

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में बने एक्सप्रेस वे की हालत को लेकर कहा कि भाजपा सरकार में किसी प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूरा बाद में होता है गिरना पहले शुरू हो जाता है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था और उसका मेंटीनेंस अभी भी जारी है। अखिलेश यादव सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा सरकार में बने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के टूटने को लेकर वीडियो भी दिखाया और कहा कि ऐसा लगता है कि दिल्ली और लखनऊ वालों के बीच मुकाबला चल रहा है कि किसके पास ज्यादा मुनाफा होगा।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार में बने रिवरफ्रंट और अन्य निर्माण की क्वालिटी सबसे अच्छी है। आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे का डिजाइन

सबसे अच्छा है और भाजपा के लोग अब इसे खराब कर रहे हैं। रिवरफ्रंट पर लगे फव्वारे भी वैसे ही हैं। बच्चों को दिए गए लैपटॉप भी अभी वैसे के वैसे हैं।

यूपीआई रुपये ऐंठने वाली योजना

अखिलेश यादव ने यूपीआई से भुगतान करने पर व्यापारियों पर लगाए गए टैक्स पर कहा कि यूपीआई रुपये ऐंठने वाली योजना है। उन्होंने कहा कि चुंगीजीवी लोगों को रुपये ऐंठने वाली योजना बंद कर देना चाहिए। ये लोग उद्योगपतियों की जेबें भरने की योजनाएं बनाते हैं।

200 करोड़ पेड़ लगाने का आंकड़ा फर्जी

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने प्रदेश में 200 करोड़ पेड़ लगाने का दावा किया है। सपा सरकार में हमने एक हजार एकड़ पर एक लाख 34 हजार पेड़ लगवाए थे। सरकार कह रही है कि उन्होंने 200 करोड़ पौधे लगवाए हैं तो वो बताएं कि वो जमीन कहां है जहां 200 करोड़ पौधे लगाए गए थे।

पूर्व मंत्री राम आश्रय कुशवाहा की सपा में वापसी

पूर्व मंत्री राम आश्रय कुशवाहा भाजपा को छोड़कर सपा में शामिल हो गए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मुझे आज भी नेताजी (मुलायम सिंह यादव) अपने बीच महसूस होते हैं। उन्होंने सपा की सदस्यता ली और कहा कि जब तक अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री नहीं बना देते वो घर नहीं बैठेंगे।

विवेक तिवारी हत्याकांड : अदालत ने मुख्य आरोपी को ही माना दोषी, साक्ष्य के अभाव में संदीप बरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोमतीनगर के बहुचर्चित एप्पल कंपनी के एरिया सेल्स मैनेजर विवेक तिवारी हत्याकांड में आठ साल तक सुनवाई, गवाही और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आज मुख्य आरोपित प्रशांत चौधरी को दोषी माना।

हालांकि साक्ष्यों के अभाव में प्रशांत को धारा 302 के बजाए केवल धारा 304 के तहत दोषी पाया गया। सोमवार को इस मामले में सज़ा सुनाई जाएगी।

वहीं दूसरे आरोपित संदीप को अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। अदालत में मौजूद विवेक की पत्नी कल्पना फैसले से खुश नहीं हैं। उनका कहना है कि न्याय के लिए वह हाइ कोर्ट जाएंगी।

29 सितंबर 2018 की रात विवेक तिवारी की पुलिसकर्मियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना की रात विवेक तिवारी आफिस से अपनी सहकर्मी सना खान के साथ कार से लौट रहे थे।

गोमतीनगर विस्तार में मकदूमपुर पुलिस चौकी के पास सिपाही प्रशांत चौधरी और संदीप कुमार ने उनकी कार को रोकने का प्रयास किया। कार नहीं रोकने पर प्रशांत चौधरी ने विवेक को गोली मार दी थी।

एप्पल मैनेजर हत्याकांड: एक सिपाही गैर इरादतन हत्या का दोषी, दूसरा बरी; कोर्ट के फैसले पर पत्नी कल्पना नाराज

लखनऊ।

आठ साल पुराने एप्पल के एरिया मैनेजर विवेक तिवारी हत्याकांड में जिला जज कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया। अदालत ने बर्खास्त सिपाही प्रशांत चौधरी को गैर इरादतन हत्या का दोषी करार दिया, जबकि दूसरे आरोपी सिपाही संदीप कुमार को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। दोषी प्रशांत की सजा पर अदालत 21 सितंबर को फैसला सुनाएगी।

फैसले के बाद विवेक तिवारी की पत्नी कल्पना तिवारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने अदालत के फैसले को 'घटिया' बताते हुए कहा कि वह इसके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करेंगी। कल्पना ने कहा कि उन्हें सुबह से ही कोर्ट के फैसले का इंतजार था। उम्मीद थी कि उन्हें न्याय मिलेगा, लेकिन फैसला उनके लिए अन्यायपूर्ण है।

यूपी के युवाओं के लिए नौकरी का बड़ा मौका, नागरिक सुरक्षा विभाग जल्द निकालेगा बंपर भर्तियां

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नागरिक सुरक्षा विभाग में 191 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इनमें सबसे अधिक 104 पद सहायक उप नियंत्रक के हैं, जबकि भंडार अधीक्षक-द्वितीय के छह, स्टोर मैन के 33, आशुलिपिक के नौ, कनिष्ठ सहायक के 25 और डिस्पैच राइडर के 14 पद शामिल हैं। इन पदों पर भर्ती के लिए जल्द ही विज्ञापन निकालने की प्रक्रिया शुरू होने वाली है।

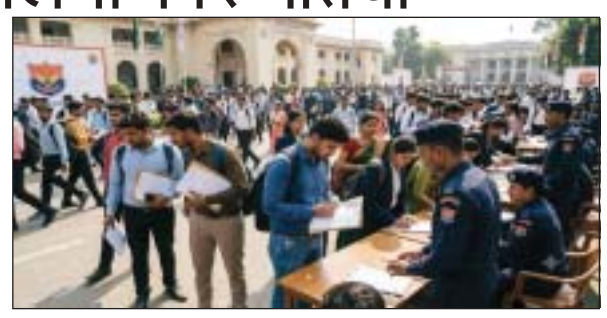

नागरिक सुरक्षा विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती होने से विभागीय कामकाज को अतिरिक्त मानव संसाधन मिलेगा। सहायक उप नियंत्रक के पद प्रशासनिक एवं मैदानी जिम्मेदारियों से जुड़े हैं। भंडार अधीक्षक और स्टोर मैन सामग्री एवं भंडार व्यवस्था संभालेंगे।

आशुलिपिक और कनिष्ठ सहायक कार्यालयी कार्यों में सहयोग करेंगे, जबकि डिस्पैच राइडर विभागीय दस्तावेजों और आवश्यक सामग्री के आवागमन से जुड़े कार्य करेंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं को अगले छह माह में एक लाख नई नौकरियां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

सरकार के अनुसार, पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश के युवाओं को साढ़े नौ लाख से अधिक सरकारी नौकरी के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। अगले छह माह में प्रस्तावित भर्तियों में अकेले पुलिस और होमगार्ड विभाग में 77 हजार नियुक्तियां की जानी हैं।

नौ साल बाद मां से मिला बेटा, थाने में छलके आंसू, भावुक मिलन के गवाह बने पुलिसकर्मी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नौ साल पहले घर से लापता हुई मां बुधवार को अचानक सामने आई तो बेटे की आंखों से आंसू छलक पड़े। हजरतगंज थाने में मां-बेटे एक-दूसरे को देखते ही गले लगकर फूट-फूटकर रोने लगे।

गुजरात के सूरत के फूलपाड़ा निवासी 55 वर्षीय रतन बेन जी तीन दिन पहले हजरतगंज के बालू अड्डे पर अकेली घूमती मिली थीं। लोगों की सूचना पर पुलिस उन्हें थाने ले आई। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने बताया कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं लग रही थी। पुलिस ने उनके लिए खाने-पीने और कपड़ों की व्यवस्था की।

बातचीत के दौरान काफी प्रयास के बाद उन्होंने अपना नाम रतन बेन जी और गुजरात के शहर व मोहल्ले का नाम बताया। इसके आधार पर पुलिस ने गूगल सर्च के जरिये संबंधित इलाके और स्थानीय थाने की जानकारी जुटाई। वहां के प्रभारी से संपर्क कर रतन बेन जी की फोटो भेजी गई।

लिखा-पढ़ी के बाद बेटे के साथ भेजाः पुलिस ने आवश्यक लिखा-पढ़ी पूरी करने के बाद रतन बेन जी को बेटे के सुपुर्द कर दिया। नौ साल बाद मां के मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है। विशाल लखनऊ में ठहरे हुए थे और बुधवार देर रात ट्रेन से मां को लेकर गुजरात रवाना हो गए।

फोटो लेकर परिजनों की तलाश में जुटी गुजरात पुलिसः गुजरात पुलिस के एक सिपाही ने रतन बेन जी की फोटो लेकर उनके परिजनों की तलाश शुरू की। वह उनके बेटे विशाल जयेश भाई तक पहुंची और फोटो दिखाकर पहचान कराई। विशाल ने मां को तुरंत पहचान लिया। इसके बाद लखनऊ पुलिस ने वीडियो कॉल के जरिये मां-बेटे की बातचीत कराई।

नौ साल बाद मां को सामने देखकर विशाल भावुक हो गए। वह फ्लाइट से बुधवार को लखनऊ पहुंचे। हजरतगंज थाने में मां को देखते ही दोनों एक-दूसरे से गले लगकर रोने लगे। रतन बेन जी ने भी बेटे को पहचान लिया। काफी देर तक दोनों एक-दूसरे को गले लगाए रहे। थाने में मौजूद पुलिसकर्मी भी इस भावुक मिलन के गवाह बने।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो : 5 देशों की भागीदारी पक्की, ग्लोबल मार्केट से सीधा जुड़ेंगे यूपी के उद्यमी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निवेश, निर्यात और औद्योगिक विकास को वैश्विक बाजार से जोड़ने की योगी सरकार की पहल को चौथे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026 के माध्यम से नई गति मिलने जा रही है। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में उत्तर प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों, उत्पादों, सरकारी विभागों और विकास प्राधिकरणों को वैश्विक खरीदारों तथा निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन में घरेलू खरीदारों के साथ अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर पंजीकरण, प्रचार और आमंत्रण प्रक्रिया चल रही है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026

में घरेलू बिजनेस-टू-बिजनेस खरीदारों के लिए अब तक 45 हजार से ज्यादा पंजीकरण किए जा चुके हैं और जैसे जैसे आयोजन की तिथि नजदीक आ रही है, पंजीकरण की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। घरेलू खरीदारों का लक्ष्य 1.5 लाख से अधिक रखा गया है। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की भागीदारी के लिए करीब 1500 पंजीकरण प्राप्त हुए हैं। इनमें साक्षात्कार भी आयोजित किए जा चुके हैं, जबकि 500 से ज्यादा खरीदारों को शॉर्टलिस्ट किया गया है और 300 से अधिक खरीदारों के टिकट सुरक्षित होने की जानकारी दी गई है।

इस प्रकार आयोजन में उत्तर प्रदेश के उत्पादों को देश-विदेश के बाजारों तक पहुंचाने के लिए खरीदारों और प्रदर्शकों के बीच व्यावसायिक संवाद का व्यापक मंच तैयार किया जा रहा है। योगी सरकार की निवेश एवं निर्यातोन्मुखी नीतियों के संदर्भ में यह आयोजन प्रदेश के उद्यमियों, एमएसएमई इकाइयों, निर्यातकों और औद्योगिक संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण अवसर के रूप में सामने आ रहा है।

36,500 वर्गमीटर प्रदर्शनी क्षेत्र बुक

ट्रेड शो के लिए 36,500 वर्गमीटर प्रदर्शनी क्षेत्र बुक किया जा चुका है, जबकि लगभग 1,000 वर्गमीटर क्षेत्र की बुकिंग और संभावित है। इस प्रदर्शनी में प्रदेश के औद्योगिक एवं वाणिज्यिक सामर्थ्य को विभिन्न सेक्टरों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। आयोजन की थीम उत्तर प्रदेश के उत्पादों, निवेश संभावनाओं, औद्योगिक आधारभूत ढांचे और वैश्विक व्यापारिक अवसरों को एक मंच पर लाने पर केंद्रित है।

20 नॉलेज सेशन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी

ट्रेड शो में उद्घाटन एवं समापन समारोह के अतिरिक्त 20 नॉलेज सेशन भी संभावित है। जानकारी के अनुसार 25 सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रस्तावित स्लॉट भी निर्धारित किए गए है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापार, उद्योग, निर्यात और उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करने की तैयारी है। उद्घाटन समारोह 25 सितंबर 2026 को पूर्वाह्न में प्रस्तावित है, जबकि समापन एवं पुरस्कार समारोह 29 सितंबर को दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक आयोजित किए जाने की योजना है। राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस बैंड का प्रस्ताव भी है।

जापान समेत पांच देशों की भागीदारी की पुष्टि

अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के तहत जापान, वियतनाम, रूस, सिंगापुर और ऑस्ट्रिया की पुष्टि की जा चुकी है। थाईलैंड की भागीदारी की स्थिति अभी प्रतीक्षित है। विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों, खरीदारों और कारोबारी संस्थानों की भागीदारी से उत्तर प्रदेश के उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार की जरूरतों, व्यापारिक साझेदारी और निर्यात संभावनाओं पर संवाद का अवसर मिलेगा। योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने और प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहचान दिलाने की दिशा में आयोजित यह ट्रेड शो राज्य की औद्योगिक क्षमता को अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक समुदाय के सामने रखने का माध्यम बनेगा।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत को क्या लाभ

दिनांक 12 एवं 13 सितम्बर 2026 को ब्रिक्स का 18वां शिखर सम्मेलन दिल्ली के भारत मंडपम में सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया। ब्रिक्स का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग बढ़ाना है। इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के साथ ही 10 अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री एवं उच्च स्तर के अधिकारी शामिल हुए। वर्ष 2025-26 के लिए भारत को ब्रिक्स का अध्यक्ष बनाया गया था, अतः भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी एवं अध्यक्षता की। ब्रिक्स के माध्यम से विश्व की 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं एवं विकासशील देशों को एक मंच प्रदान किया जाता है। ब्रिक्स में शामिल देशों की कुल आबादी विश्व की कुल जनसंख्या का 49.5 प्रतिशत है और विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है तथा वैश्विक व्यापार में 26 प्रतिशत की भागीदारी है। इससे वैश्विक स्तर पर ब्रिक्स का महत्व स्वयं ही स्पष्ट हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय स्थिति, दूरसंचार, कृषि, श्रम, रोजगार, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना, व्यापार और विश्व व्यापार संगठन सहित वैश्विक मुद्दों पर विचार विमर्श करते है। इस वर्ष के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की थीम "लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण" रखी गई थी। शिखर सम्मेलन में 45 पन्नों एवं 140 बिंदुओं के "नई दिल्ली घोषणापत्र" को समस्त सदस्य देशों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था। इस सम्मेलन की यह सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि इस सम्मेलन में आपस में कुछ विरोधाभासी विचार रखने वाले देश (ईरान, साऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात) भी शामिल थे। ईरान के राष्ट्रपति एवं यूएई के राष्ट्रपति के बीच शिखर सम्मेलन के बीच आपस में वार्ता सम्पन्न हुई थी, जबकि दोनों देशों के बीच अमेरिका-ईरान युद्ध के संदर्भ में तनाव की स्थिति कायम है।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि ब्रिक्स की स्थापना अमेरिका में हुई है। वर्ष 2006 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौके पर ब्रिक विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में ब्रिक को औपचारिक रूप दिया गया था। ब्रिक का पहिला उद्घाटन शिखर सम्मेलन वर्ष 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था। वर्ष 2010 में न्यूयॉर्क में ब्रिक विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण अफ्रीका को शामिल करने के साथ ब्रिक को ब्रिक्स में विस्तारित करने पर सहमति हुई थी। तदनुसार, दक्षिण अफ्रीका ने 2011 में सान्या में तीसरे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जनवरी 2024 से और इंडोनेशिया जनवरी 2025 में ब्रिकस के पूर्ण सदस्य बने। इसके बाद बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम 2025 में भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में शामिल हुए। भारत के प्रधानमंत्री ने अपने उदबोधन में उक्त ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कई आवश्यक एवं महत्वपूर्ण विषयों की ओर समस्त सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले कई उत्पादों के निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाया था, इसी प्रकार चीन ने भी आवश्यक मिनरल के निर्यात पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे, इस प्रकार की स्थित पुनः न बनें इस हेतु यह सुझाव दिया गया है कि तकनीकी एवं आवश्यक मिनेरल्स को विभिन्न देशों द्वारा हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए इसका सीधा सीधा विपरीत प्रभाव विकासशील देशों के विकास पर पड़ता है। जब हम वैश्विक स्तर पर एक परिवार की बात करते हैं तो प्राकृतिक संसाधनों पर इस धरा पर निवासरत पूरी मानवजाति का समान अधिकार है। इसके उपयोग को कुछ देशों द्वारा रोका नहीं जाना चाहिए। भारतीय सनातन संस्कृति में तो प्रकृति को मां के समान माना जाता है, अतः प्रकृति का शोषण नहीं बल्कि आवश्यकता अनुसार दोहन होना चाहिए। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन भी आवश्यक है। विकास और पर्यावरण एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं केवल आवश्यता है कि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाय। हाल ही के समय में महामारी, जलवायु आपदाओं एवं सप्लाई चैन में रुकावटों ने दिखाया है कि विभिन्न देश एक दूसरे पर किस प्रकार निर्भर है। एक देश में आया संकट दूसरे देश को भी प्रभावित करता हुआ दिखाई दे रहा है। ब्रिक्स के सदस्य देशों को आपस में सहयोग बढ़ाने तथा सप्लाई चैन को मजबूती प्रदान करने की ओर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच आपस में छोटे कारोबारों को बढ़ावा दिए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए और उन्हें नए बाजार और पर्याप्त वित्त की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के प्रयास भी होने चाहिए ताकि रोजगार के नए अवसर निर्मित हों और अंतिम पंक्ति पर खड़े नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सके।

प्रदेशभर में होंगे जनसेवा के कार्यक्रम

विशेष लेख: सेवा संकल्प अभियान

धनंजय राठौर

अभियान के तहत 17 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच स्कूल और कॉलेजों में ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता सभी सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में आयोजित किए जाएंगे।

सेवा संकल्प अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक महीने का देशव्यापी अभियान है। इसका मकसद मोदी के सेवा और विकास से जुड़े कामों को लोगों तक पहुंचाने के साथ जनसेवा के कार्यक्रमों को बढ़ाना है। इन कार्यक्रमों में रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, स्कूलों में प्रतियोगिताएं आदि शामिल हैं।

इस अभियान का उद्देश्य जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करना, विकसित भारत 2047 का सामूहिक संकल्प लेना, केन्द्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाना तथा प्रत्येक परिवार की सहभागिता के साथ व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

'सेवा संकल्प अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के (मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में) निरंतर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यकाल के सम्मान में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाला एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। सेवा गतिविधियां में नागरिकों को रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य परीक्षण, जल संरक्षण और डिजिटल साक्षरता जैसी 25 सेवा गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। श्रमदान के रूप में नागरिकों से कम से कम 25 मिनट श्रमदान करने की अपील की गई है, जिसकी फोटो या वीडियो माई भारत पोर्टल पर अपलोड करने पर डिजिटल प्रमाण-पत्र मिलेगा।

विशेष कार्यक्रम के रूप में 17 सितम्बर 2026 को आशीर्वाद का दीया, नमो सेवा गाथा के तहत संभागीय मुख्यालय रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, अंबिकापुर (सरगुजा), और जगदलपुर (बस्तर), के आडिटोरियम में संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन से समन्वय कर प्रस्तावित तिथि अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। नमो सेवा गाथा अंतर्गत नुक्कड नाटक, नृत्य नाटिका जिले केस्थानीय कलाकार के माध्यम से सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा। सेवा सेतु अभियान (विकासखंडों में बहुउद्देशीय शिविर) और सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज जैसी अभिनव गतिविधियां आयोजित होंगी।

इन गतिविधियों का संचालन शासकीय विभागों के साथ-साथ नागरिकों तथा सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से भी किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में सभी आयु वर्ग की महिलायें, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रतिष्ठित व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों, स्वैच्छिक संगठन, शैक्षणिक संस्थाएँ, स्वयं-सहायता समूहों, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाएगा।

यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। 17 सितंबर को पीएम मोदी का जन्मदिन है, जबकि 7 अक्टूबर को उनके सार्वजनिक पद पर 25 साल पूरे होंगे। 17 अक्टूबर 2026 को अभियान का समापन बड़े कार्यक्रम के साथ किया जाएगा।

अभियान के तहत 17 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच स्कूल और कॉलेजों में ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता सभी सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किये गए सेवा कार्यों और विकसित भारत की संकल्पना पर जानकारी दी जाएगी और ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके अलावा रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, प्रदर्शनियां, सेमिनार और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जागरूकता गतिविधियां होंगी। ब्लॉक स्तर पर 'सेवा सेतु शिविर लगाए जाएंगे, जहां लोगों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में मदद दी जाएगी।

25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आंगनवाड़ी केंद्रों में 'आंगन का उत्सव आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पोषण, मातृ सहायता, टीकाकरण तथा महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी हितग्राहियों को दी जाएगी। कार्यक्रमों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उनका सम्मान भी किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से महिलाओं, बच्चों और परिवारों को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

अभियान के दौरान 'कहानी बदलाव की पहल के तहत शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की वास्तविक सफलता की कहानियों का संकलन किया जाएगा। इन कहानियों के माध्यम से यह बताया जाएगा कि सरकारी योजनाओं का प्रभाव किस तरह आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। हितग्राहियों की सफलता की कहानियां अन्य पात्र नागरिकों को भी योजनाओं का लाभ लेने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

स्कूलों में विकसित भारत 2047 विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। 'नमो सेवा के तहत नुक्कड़ नाटक और आंगनवाड़ी केंद्रों पर 'आंगन मिलन सेवा जैसे कार्यक्रम भी रखे गए हैं। पिछले 25 वर्षों के सेवा कार्यों में, प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाएं और देश में आए बदलावों की कहानी को एक सरल, भावनात्मक और संगीतपूर्ण नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से गाँव - गाँव तक पहुंचाया जाएगा। यह कार्य प्रदेशभर के स्कूलों, कॉलेजों, पंचायत, सामुदायिक केंद्र एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित किया जाएगा।

'विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत करीब 50 ऐसे स्थान चुने जाएंगे, जिन्हें बीजेपी मोदी सरकार के दौर में हुए बदलाव का उदाहरण मानती है। इनमें गुजरात की गिफ्ट सिटी और बस्तर जैसे स्थान शामिल हैं। सोशल मीडिया क्रिएटर्स को भी इन जगहों पर ले जाने की योजना है।

अभियान के अंतिम दिन 'जनसेवक महाकुंभ में पंचायत से संसद तक के करीब 1.25 लाख जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की योजना है। इस दौरान सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम की सभी छह कड़ियां गाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

लेखक संयुक्त संचालक, (जनसंपर्क) रायपुर हैं

व्यंग्य

प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज

नेपाल की त्रासदी का संदेश है कि प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना संभव नहीं रह जाएगा।

ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, यह चर्चा दशकों पुरानी हो चुकी है। इसके क्या घातक परिणाम होंगे, इसको लेकर वैज्ञानिक चेतावनियां भी आम चर्चा में रही हैं। कई दिन की जांच-पड़ताल के बाद अब यह साफ है कि नेपाल में 26 अगस्त को जो हुआ, वह उन चेतावनियों का ही साकार रूप लेना था। इसीलिए उस रोज हुई ग्लेशियर टूटने की घटना को महज प्राकृतिक आपदा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। स्पष्टतः यह हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के हुए प्रभाव का परिणाम है। इसलिए यह एक गंभीर चेतावनी है। इसे ध्यान में रखना चाहिए कि ग्लेशियल झील के फटने से आने वाली बाढ़ जैसी त्रासदियां अनहोनी का हो जाना भर नहीं हैं। बल्कि ये इनसान की अ-दूरदर्शिता का सीधा परिणाम हैं।

26 अगस्त को नेपाल-चीन सीमा के पास लांगटांग लिरुंग क्षेत्र में एक विशाल ग्लेशियर अचानक खिसक गया। यह घटना लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हुई। ग्लेशियर टूट कर लगभग 1,200 मीटर नीचे स्थित घाटी में गिरा। उसके प्रभाव से तीव्र घर्षण पैदा हुआ और अत्यधिक बर्फ पिघलकर गारे और चट्टानों के साथ बह निकली। यह घटना बताती है कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हर पल मॉनिटरिंग और उपग्रह आधारित निगरानी की कितनी कमी है। समय पर हिमनद झील के बढ़ते जलस्तर का आकलन कर निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी कर दी जाती, तो जान-माल के नुकसान को सीमित किया जा सकता था। यह भी गौरतलब है कि हिमालय जैसे पारिस्थितिकीय नजरिए से नाजुक क्षेत्र में बिना ठोस पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किए पनबिजली परियोजनाओं, सड़कों, और सुरंगों का अंधाधुंध निर्माण किया जा रहा है। इससे ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का जोखिम कई गुना बढ़ा है।

उधर बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण हिमनद तेजी से पिघलकर खतरनाक झीलों का रूप ले रहे हैं। कुल मिलाकर इस त्रासदी का संदेश है कि प्रकृति के तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना और जलवायु परिवर्तन संबंधी चेतावनियों को नजरअंदाज करना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना अब संभव नहीं रह गया है।

ब्लॉग

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत को क्या लाभ?

प्रह्लाद सबनानी

दिनांक 12 एवं 13 सितम्बर 2026 को ब्रिक्स का 18वां शिखर सम्मेलन दिल्ली के भारत मंडपम में सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया। ब्रिक्स का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग बढ़ाना है। इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के साथ ही 10 अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री एवं उच्च स्तर के अधिकारी शामिल हुए। वर्ष 2025-26 के लिए भारत को ब्रिक्स का अध्यक्ष बनाया गया था, अतः भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी एवं अध्यक्षता की। ब्रिक्स के माध्यम से विश्व की 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं एवं विकासशील देशों को एक मंच प्रदान किया जाता है। ब्रिक्स में शामिल देशों की कुल आबादी विश्व की कुल जनसंख्या का 49.5 प्रतिशत है और विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है तथा वैश्विक व्यापार में 26 प्रतिशत की भागीदारी है। इससे वैश्विक स्तर पर ब्रिक्स का महत्व स्वयं ही स्पष्ट हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय स्थिति, दूरसंचार, कृषि, श्रम, रोजगार, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना, व्यापार और विश्व व्यापार संगठन सहित वैश्विक मुद्दों पर विचार विमर्श करते है। इस वर्ष के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की थीम "लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण" रखी गई थी। शिखर सम्मेलन में 45 पन्नों एवं 140 बिंदुओं के "नई दिल्ली घोषणापत्र" को समस्त सदस्य देशों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था। इस सम्मेलन की यह सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि इस सम्मेलन में आपस में कुछ विरोधाभासी विचार रखने वाले देश (ईरान, साऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात) भी शामिल थे। ईरान के राष्ट्रपति एवं यूएई के राष्ट्रपति के बीच शिखर सम्मेलन के बीच आपस में वार्ता सम्पन्न हुई थी, जबकि दोनों देशों के बीच अमेरिका-ईरान युद्ध के संदर्भ में तनाव की स्थिति कायम है।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि ब्रिक्स की स्थापना अमेरिका में हुई है। वर्ष 2006 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौके पर ब्रिक विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में ब्रिक को औपचारिक रूप दिया गया था। ब्रिक का पहिला उद्घाटन शिखर सम्मेलन वर्ष 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था। वर्ष 2010 में न्यूयॉर्क में ब्रिक विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण अफ्रीका को शामिल करने के साथ ब्रिक को ब्रिक्स में विस्तारित करने पर सहमति हुई थी। तदनुसार, दक्षिण अफ्रीका ने 2011 में सान्या में तीसरे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जनवरी 2024 से और इंडोनेशिया जनवरी 2025 में ब्रिकस के पूर्ण सदस्य बने। इसके बाद बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम 2025 में भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में शामिल हुए।

भारत के प्रधानमंत्री ने अपने उदबोधन में उक्त ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कई आवश्यक एवं महत्वपूर्ण विषयों की ओर समस्त सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले कई उत्पादों के निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाया था, इसी प्रकार चीन ने भी आवश्यक मिनरल के निर्यात पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे, इस प्रकार की स्थित पुनः न बनें इस हेतु यह सुझाव दिया गया है कि तकनीकी एवं आवश्यक मिनेरल्स को विभिन्न देशों द्वारा हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए इसका सीधा सीधा विपरीत प्रभाव विकासशील देशों के विकास पर पड़ता है। जब हम वैश्विक स्तर पर एक परिवार की बात करते हैं तो प्राकृतिक संसाधनों पर इस धरा पर निवासरत पूरी मानवजाति का समान अधिकार है। इसके उपयोग को कुछ देशों द्वारा रोका नहीं जाना चाहिए। भारतीय सनातन संस्कृति में तो प्रकृति को मां के समान माना जाता है, अतः प्रकृति का शोषण नहीं बल्कि आवश्यकता अनुसार दोहन होना चाहिए। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन भी आवश्यक है। विकास और पर्यावरण एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं केवल आवश्यता है कि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाय। हाल ही के समय में महामारी, जलवायु आपदाओं एवं सप्लाई चैन में रुकावटों ने दिखाया है कि विभिन्न देश एक दूसरे पर किस प्रकार निर्भर है। एक देश में आया संकट दूसरे देश को भी प्रभावित करता हुआ दिखाई दे रहा है। ब्रिक्स के सदस्य देशों को आपस में सहयोग बढ़ाने तथा सप्लाई चैन को मजबूती प्रदान करने की ओर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच आपस में छोटे कारोबारों को बढ़ावा दिए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए और उन्हें नए बाजार और पर्याप्त वित्त की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के प्रयास भी होने चाहिए ताकि रोजगार के नए अवसर निर्मित हों और अंतिम पंक्ति पर खड़े नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सके। इसके लिए "ब्रिक्स कनेक्ट" के माध्यम से गरीब नागरिकों को काम के लिए आवश्यक कौशल सीखने, रोजगार के अवसर बढ़ाने एवं मातृशक्ति को अधिक काम के मौके देने का प्रयास किया जाना चाहिए। छोटे कारोबारियों को मदद पहुंचाने के उद्देश्य से BRICS MSME पोर्टल प्रारम्भ किया गया है। इससे छोटे कारोबारी नए बाजारों से जुड़ सकेंगें। ब्रिक्स देशों में कार्य कर रहे स्टार्टअप्स को आपस में जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्युबेटर नेट्वर्क बनाया जा सकता है। इसी प्रकार, नए और बड़े स्तर के नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड भी बनाया जा सकता है। ब्रिक्स देश आपस में कारोबार को सरल बनाने के उद्देश्य से स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं और अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल कम करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ साथ, अलग अलग देशों के ऑनलाइन डिजिटल पेमेंट सिस्टम को आपस में जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। इससे एक देश के नागरिकों को दूसरे देश के नागरिकों को राशि भेजना बहुत आसान होगा और अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता कम होगी।

अंतर्राष्ट्रीयसंबंध

ब्रिक्स स्थापना से भारत को विशेष लाभ हुआ है। सामरिक दृष्टि से भारत का वैश्विक स्तर पर महत्व बढ़ा है। भारत आज न केवल ब्रिक्स बल्कि जी-20, जी-7, क्वाड, एससीओ जैसे वैश्विक संस्थानों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है एवं अन्य देश आंज भारत की आवाज को गम्भीरता से सुन रहे हैं। विभिन्न देशों के नागरिक आज सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपनाने हेतु लालायित हैं क्योंकि इस संदर्भ में भारत के व्यवहार से ये देश अत्यधिक प्रभावित हैं। साथ ही, भारत को कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी होने जा रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश बढ़ने की सम्भावना बनी है। ब्रिक्स के 21 सदस्य देशों के बीच आपसी समझदारी बढ़ी है और इससे इन देशों के बीच आर्थिक साझेदारी भी बढ़ेगी। आतंकवाद के खिलाफ मजबूत संदेश गया है कि भारत किसी भी कीमत पर आतंकवाद को पनपने नहीं देगा। नई दिल्ली घोषणापत्र में रूस एवं चीन सहित समस्त ब्रिक्स सदस्य देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा भी की है। इसमें यह भी कहा गया है कि आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्यवाही करनी चाहिए। साथ ही, आतंकियों तक पहुंचने वाली फंडिंग को रोकने और उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने वालों पर भी कार्यवाही की जानी चाहिए।

भारत आज ग्लोबल साउथ की आवाज बन रहा है। इस क्षेत्र के देश भारत पर भरोसा करने लगे हैं। इससे भारतीय रुपए की वैश्विक स्तर पर साख बढ़ सकती है क्योंकि ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूपीआई एवं रूपे कार्ड की स्वीकार्यता कई देशों में अब बढ़ रही है। आपस में स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने से भारतीय रुपए को मजबूती मिलेगी एवं इससे मंहगाई बढ़ने की गति कम होगी। ब्रिक्स ने वर्ष 2015 में डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की स्थापना की थी। इस बैंक ने भारत को 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का ऋण प्रदान किया है। इस ऋणराशि का उपयोग मुंबई मेट्रो लाइन डालने के लिया किया जा रहा है। इंदौर में मेट्रो भी इसी ऋण से बनी है। दिल्ली-गाजियाबाद क्षेत्रीय रेल्वे लाइन इसी ऋण से बिछाई गई है। कुल मिलाकर भारत में आधारभूत संरचना खड़ी करने में ब्रिक्स द्वारा स्थापित उक्त बैंक का महत्वपूर्ण योगदान है।

कोविड खत्म, लेकिन हिरासत में मौतों का सिलसिला बंद नहीं हुआ, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्यों कहा ऐसा

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने गोंडा में 35 साल के एक शख्स की कथित तौर पर हिरासत में हुई मौत के मामले में रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के आरोपी 2 जवानों की अग्रिम जमानत याचिकाएं कल बुधवार को खारिज कर दीं। फैसले देते हुए कोर्ट ने यह भी कहा कि भले ही कोविड-19 महामारी खत्म हो गई हो, लेकिन हिरासत में मौत का सिलसिला कम होता नहीं दिख रहा है।

जस्टिस मनीष माथुर ने रेलवे सुरक्षा बल के दारोगा करण सिंह यादव और सिपाही अमित कुमार यादव की अलग-अलग अपीलों को खारिज कर दिया। इन दोनों आरोपियों ने गोंडा के स्पेशल जज (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एक्ट) के 4 अगस्त के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दी गई थीं। मामला गोंडा के किंकी गांव का है। यहां के रहने वाले संजय कुमार सोनकर की कथित रूप से हिरासत में मौत हो गई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार पिछले साल 28 सितंबर को गोंडा से गुवाहाटी जा रही एक मालगाड़ी से मोतीगंज रेलवे स्टेशन इलाके में सरसों के तेल के 6 डिब्बे चोरी हो गए थे और आरपीएफ की ओर से की गई जांच में संजय सोनकर का नाम सामने आया।

चार नवंबर 2025 को आरपीएफ के जवान संजय सोनकर को पूछताछ के लिए अपने साथ लेकर गए थे और शाम करीब साढ़े 4 बजे उसे जांच के सिलसिले में उसके गांव लेकर आए और बाद में उसे फिर वापस लेकर चले गए। अगली सुबह सोनकर के भाई को यह जानकारी दी गई कि उसके भाई का शव मुर्दाघर में है।

हिरासत में मारपीट से गई सोनकर की जान

अभियोजन पक्ष का आरोप है कि हिरासत में रखने के दौरान संजय सोनकर के साथ जमकर मारपीट की गई, और इस वजह से उसकी मौत हो गई। इसके खिलाफ अपील दायर करते हुए आरपीएफ के दारोगा करण सिंह यादव और सिपाही अमित कुमार यादव ने आरोपों से इनकार किया और दावा किया कि उन्हें इस केस में गलत फंसाया गया है। इन आरपीएफ कर्मियों के वकील ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें जांघ के ऊपरी हिस्से पर चोट और दोनों घुटनों पर खरोंच का जिक्र था। उनकी दलील है कि इन चोटों की वजह से किसी की मौत नहीं हो सकती।

सबूत पेश करने की जिम्मेदारी पुलिसकर्मियों की : हाईकोर्ट

हालांकि सुनवाई के दौरान बेंच ने दोनों की अपीलों को खारिज करते हुए कहा कि यह सबूतों के आधार पर तय किया जाएगा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के नतीजे आरोपों का समर्थन करते हैं या नहीं। बेंच ने कोरोना के दौर का जिक्र करते हुए कहा, "ऐसा लगता है कि भले ही कोरोना महामारी का दौर खत्म हो गया है, लेकिन हिरासत में मौत की समस्या कम होती नहीं दिख रही है।" कोर्ट ने कहा कि हिरासत में मौत के मामलों में आम तौर पर सबूत पेश करने की जिम्मेदारी पुलिसकर्मियों की होनी चाहिए ताकि वे अपने गलत व्यवहार के कारण इंसानी जिंदगी को कमतर आंकने के आरोपों को गलत साबित कर सकें। कोरोना के दौर में हिरासत में मौत को लेकर कई केस सामने आए थे।

मुस्लिम जमात के अध्यक्ष ने की पीएम मोदी की प्रशंसा, कहा– भारत का नाम पूरी दुनिया में किया रोशन

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर बधाई दी है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घायु होने की कामना की। मौलाना ने पीएम मोदी को भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को हिदायत देने की सलाह भी दी है।

मौलाना रजवी ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की 145 करोड़ जनता के हितों का ध्यान रखेंगे। वे सभी वर्गों के लिए काम करते रहेंगे। रजवी बरेलवी ने प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस दौरान भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्लिम देशों के साथ भी अच्छे रिश्ते कायम किए हैं। इसी वजह से जब वे मुस्लिम देशों में जाते हैं, तो उनका जोरदार स्वागत होता है।

सामुदायिक सद्भाव पर जोर

रजवी बरेलवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक महत्वपूर्ण सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को हिदायत दें कि वह लोगों के दिलों को जोड़ने का काम करें, ताकि सभी समुदाय के लोगों का भरोसा कायम रहे।

बरेली में आंधी–बारिश का कहर : दो महिलाओं और एक बच्चे की मौत, दीवार गिरने से हुए हादसे, बच्ची गंभीर घायल

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली में बृहस्पतिवार सुबह आई तेज आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचाई। आंधी से दीवार गिरने से हुए अलग-अलग हादसों में दो महिलाओं और एक बच्चे सहित तीन की जान चली गई। एक पांच वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए बरेली रेफर किया गया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने पीड़ितों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

सिरौली इलाके के गांव अंजनी में आंधी-बारिश के दौरान प्रताप के मकान की कच्ची दीवार अचानक गिर गई। इस हादसे में अपने घर के बाहर बैठी 52 वर्षीय सुदामा और उनकी पांच वर्षीय पोती रिया मलबे में दब गईं। सड़क पर खेल रहा राजाराम का आठ वर्षीय बेटा राजा भी मलबे में दब गया। पुलिस और ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर तीनों को गंभीर हालत में बाहर निकाला।

सुदामा को रामनगर अस्पताल भेजा गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। राजा के परिजन उसे मुरादाबाद ले जा रहे थे, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल रिया को प्राथमिक उपचार के बाद बरेली रेफर किया गया है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। पुलिस, तहसील और राजस्व टीम ने मौके पर जांच पड़ताल की है।

सीबीगंज में भी हुआ हादसा

सीबीगंज क्षेत्र के बल्लाकोठा गांव में भी एक दीवार गिरने से 25 वर्षीय गणेशी देवी की मौत हो गई। वह पशुओं के लिए चारा डालने गई थीं। तभी तेज आंधी चलने लगी और मकान की दीवार उनके ऊपर गिर गई। परिवार में चीखपुकार मच गई। ग्रामीणों ने उन्हें मलबे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

परिजनों पर दुख का पहाड़

गणेशी देवी के पति कृष्ण पाल औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरी करते हैं। उनके दो पुत्र आयान (सात वर्ष), सुजान (ग्यारह माह) और एक पुत्री नंदनी (पांच वर्ष) हैं। इस हादसे से उनके परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। इंस्पेक्टर सीबीगंज पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

शहर के 12 फीडर प्रभावित

शहर के करीब 12 फीडर आंधी-बारिश से प्रभावित हुए हैं। जिले में करीब 15 पोल और इतनी ही जगह पेड़ टूटने से सड़कों पर आवागमन बाधित हुआ है। उपकेंद्रों में पानी भरने व तार टूटने से शहर समेत जिले के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई है। किला क्षेत्र में स्वाले नगर में रोड पर बरसों पुराना पेड़ गिर गया है। इससे दिल्ली हाइवे पर लंबा जाम लग गया है। 33 केवी मढ़ीनाथ की लाइन ब्रेकडाउन में होने के कारण उपकेंद्र से पोषित सभी पोषक बंद है। सप्लाई नॉर्मल होने में लगभग चार से पांच घंटे का समय लगेगा।

सपा-भाजपा के दिग्गजों का गोरखपुर में जमावड़ा

गोरखपुर। गोरखपुर में गुरुवार को सियासत के दो अलग-अलग रंग दिखाई दे रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े दो दिवसीय प्रवास पर हैं तो समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल भी दो दिन के दौरे पर पहुंचे हैं। दोनों दलों के कार्यक्रमों में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद पर जोर है।

सवाल यह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बड़े नेताओं के कार्यक्रमों के लिए गोरखपुर ही इतना महत्वपूर्ण क्यों बन रहा है? इसकी वजह केवल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृहक्षेत्र होना नहीं है। गोरखपुर पूर्वांचल की राजनीति का ऐसा केंद्र है, जहां लोकसभा से लेकर विधानसभा तक का राजनीतिक प्रभाव आसपास के क्षेत्रों तक दिखाई देता है। गोरखपुर जिले में नौ विधानसभा क्षेत्र कैंपियरगंज, पिपराइच, गोरखपुर शहर, गोरखपुर ग्रामीण, सहजनवां, खजनी, चौरीचौरा, बांसगांव और चिल्लूपार हैं।

"डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम में सहयोग करेंगे दवा विक्रेता

केमिस्ट संचालकों की पीएसआई इंडिया के सहयोग से बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

मिर्जापुर। शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने को लेकर जनपद में अनूठी जनस्वास्थ्य पहल की गयी है। इसके तहत पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया (पीएसआई-इंडिया) और केनव्यू (KENVUE) के सहयोग से चलाये जा रहे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम में जिले के दवा विक्रेताओं (केमिस्ट) का भी सहयोग लिया जाएगा। डायरिया के प्रति जागरूकता की अलख जगाने में केमिस्ट एसोसिएशन की भूमिका को लेकर बृहस्पतिवार को एक स्थानीय होटल में केमिस्ट संचालकों की बैठक हुई। बैठक में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के बारे में दवा विक्रेता समिति के अध्यक्ष व सचिव सहित सभी संचालकों को विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता औषधि निरीक्षक राजेश मौर्या ने की।

श्री मौर्या ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों की कुल मौत

का एक प्रमुख कारण डायरिया भी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस पर नियन्त्रण के लिए स्टॉप डायरिया कैम्पेन (डायरिया रोको अभियान) चलाया जाता है, जिसे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम से और बल मिल रहा है। दवा विक्रेता समिति मिर्ज़ापुर के अध्यक्ष प्रमोद द्विवेदी ने कहा कि समुदाय में डायरिया के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया जाएगा और मेडिकल स्टोर पर आने वाले डायरिया प्रभावित को ओआरएस और जिंक के इस्तेमाल के फायदे बताने के साथ ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से सम्पर्क करने का परामर्श भी दिया जाएगा। पीएसआई-इंडिया के विष्णु प्रकाश मिश्रा ने "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि डायरिया नियंत्रण की दिशा में केमिस्ट की भूमिका अहम है। दुकान पर आने वाले डायरिया से संबंधित रोगियों या उनके परिजनों को साफ सफाई, हाथ धुलने का सही तरीका, स्वच्छ जल, स्वच्छ भोजन और स्वच्छ वातावरण आदि के बारे में जानकारी देना जरूरी है। डायरिया नियंत्रण व रोकथाम के लिए यह जरूरी है।

दवा विक्रेता समिति के महामंत्री पंकज केसरी ने जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस प्रकार के आयोजन की सलाह दी और कहा कि वह इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हर संभव सहयोग को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि डायरिया की शुरुआत में ही पहचान कर ओआरएस का घोल दिया जाए तो गंभीर स्थिति तक पहुँचने से बच्चे को बचाया जा सकता है। 24 घंटे में यदि तीन बार पतली दस्त आ रही है तो यह डायरिया के लक्षण हो सकते हैं और यह लम्बे समय तक बनी रहे तो यह गंभीर डायरिया का रूप ले सकती है। निजी क्षेत्र में अब लिक्विड के रूप में भी निर्मित ओआरएस का घोल उपलब्ध है। उन्होंने रोटा वायरस वैक्सीन के बारे में भी जानकारी दी। एफपीसी अर्चना मिश्रा ने कार्यक्रम में सहयोग किया।

दवा विक्रेता समिति मिर्ज़ापुर के सचिव संजय गुप्ता ने कहा कि डायरिया नियंत्रण व रोकथाम की दिशा में पीएसआई इण्डिया ने सराहनीय पहल की है और सभी केमिस्ट संचालकों की तरफ से विश्वास दिलाया कि कार्यक्रम में हरसम्भव सहयोग किया जाएगा। कार्यक्रम में दवा विक्रेता समिति के कोषाध्यक्ष सुशील कुमार, उपाध्यक्ष रंजीत मौर्य, संगठन मंत्री जय प्रकाश सेठ, राम किशोर त्रिपाठी जिला समन्वयक राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम आदि मौजूद रहे।

'बीमारी से नहीं, मनोरमा का बरेली में कत्ल हुआ था'

पति ने पुलिस को बताई झूठी कहानी, एक साल पहले हुई थी शादी

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में मनोरमा डेथ मिस्ट्री केस पुलिस ने सुलझा ली है। महिला के पति ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी काफी समय से बीमार चल रही थी और उसका इलाज कराया जा रहा था। मंगलवार को दवा देने के बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ी और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पति की झूठ पकड़ी गई। मनोरमा की गला दबाकर हत्या की गई थी।

परतासपुर गांव निवासी मनोरमा की शादी करीब एक साल पहले नीरज के साथ हुई थी। मनोरमा मूल रूप से बिहार की रहने वाली थी। उसके मायके वाले मेहनत-मजदूरी करते हैं। शादी के बाद वह अपने पति के साथ परतासपुर गांव में रह रही थी।

नीरज के मुताबिक मनोरमा काफी समय से बीमार चल रही थी। उसका इलाज कराया जा रहा था। पति ने बताया कि मंगलवार को भी मनोरमा को दवा दी गई थी। दवा लेने के बाद अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। हालत खराब होने के कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। महिला की एक साल पहले ही शादी हुई थी। महिला की मौत की जानकारी गांव के किसी व्यक्ति ने पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। परिस्थितियां संदिग्ध लगने पर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने बदली जांच की दिशा

बुधवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस के सामने महिला की मौत को लेकर नया तथ्य सामने आया। रिपोर्ट में गला दबाने की पुष्टि हुई है। इससे बीमारी के कारण मौत होने की पति की बात पर सवाल खड़े हो गए हैं।पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि मनोरमा की मौत किन परिस्थितियों में हुई और उसकी हत्या किसने की। पुलिस मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है और घटना से पहले की परिस्थितियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। मनोरमा की शादी को अभी करीब एक साल ही हुआ था। ऐसे में उसकी संदिग्ध मौत ने परिवार और गांव में भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और घटनास्थल से मिले तथ्यों को जांच में शामिल कर रही है। फिलहाल पुलिस की जांच के बाद ही साफ होगा कि महिला की हत्या किस वजह से और किसने की। मामले में पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

हाईकोर्ट ने घंटाघर निर्माण पर लगाई रोक, कहा–हर हाथ में मोबाइल तो घंटाघर की जरूरत क्यों?

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फिरोजाबाद के सदर बाजार स्थित पुरानी मंडी में प्रस्तावित घंटाघर के निर्माण पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि आज के दौर में जब हर व्यक्ति के पास मोबाइल फोन है और उसमें समय उपलब्ध रहता है। ऐसे में 55 साल बाद घंटाघर बनाने पर सवाल उठता है। यह सवाल न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ल की खंडपीठ ने फिरोजाबाद के दुकानदार गौरव गोयल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

याची का कहना था कि प्रस्तावित घंटाघर उसकी दुकान के सामने बनाया जा रहा है। निर्माण होने से उसका कारोबार प्रभावित होगा। प्रस्तावित स्थल व्यस्त बाजार में है और वहां पार्किंग की भी पर्याप्त जगह नहीं है। कोर्ट ने कहा कि घंटाघरों का अपने समय में महत्वपूर्ण उपयोग था और उस दौर की पीढ़ियां इन पर निर्भर रहती थीं। लेकिन, वर्तमान समय में हर व्यक्ति के पास कलाई घड़ी और मोबाइल फोन है। मोबाइल के माध्यम से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों का समय भी जाना जा सकता है। ऐसे में पुरानी व्यवस्था को 55 वर्ष बाद लागू करने का निर्णय सही नहीं माना जा सकता।

हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि 1970 में रामस्वरूप गोविंद राम गोयल की ओर से नगर पालिका को घंटाघर बनाने के लिए जमीन दान की गई थी। नगर निगम अब 55 साल बाद नींद से जागी है। आज के समय में घंटाघर को कोई मतलब नहीं है। आज के दौर में पुरानी तकनीक के बारे में सोचना बेमतलब की बात है और मनमानी है।

मिर्जापुर में गंगा नदी में कूदी, 14 घंटे में 40 KM दूर बहकर जिंदा बची पत्नी, बोली– पति ने कहा था मर जाओ

आर्यावर्त संवाददाता

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में गंगा नदी में कूदी एक महिला करीब 14 घंटे बाद 40 किलोमीटर दूर चुनार में जिंदा मिली। महिला को गंगा में मछली पकड़ रहे मछुआरों ने सुरक्षित बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के बाद उसकी हालत ठीक बताई गई। पुलिस ने महिला का बयान दर्ज करने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया।

घटना मंगलवार की बताई जा रही है। महिला अपने पति से दवा के लिए पैसे मांग रही थी। पति के पैसे नहीं भेजने से नाराज होकर वह घर से निकल गई और शास्त्री पुल से गंगा नदी में कूद गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन तत्काल उसका पता नहीं चल सका।

38 वर्षीय सुनीता साहनी कछवां थाना क्षेत्र के बरैनी गांव की रहने वाली है। उसकी शादी करीब 18 साल पहले कटरा कोतवाली क्षेत्र के छोटी बसही मोहल्ले के रहने वाले सूर्यबली से हुई थी। सूर्यबली गुजरात के जामनगर में नौकरी करता है।

सुनीता ने पुलिस को बताया कि उसे दवा खरीदनी थी। इसके लिए उसने सोमवार को पति से फोन पर पैसे भेजने के लिए कहा था। पति ने मंगलवार सुबह पैसे भेजने की बात कही थी। महिला के मुताबिक, जब पैसे नहीं मिले तो वह नाराज हो गई।

पति की बात से आहत होने का दावा

महिला ने पुलिस को बताया कि फोन पर पति ने उससे कहा, "मेरा तुमसे कोई मतलब नहीं, जाकर मर जाओ।" सुनीता के अनुसार, पति की इस बात से वह आहत हुई और घर से निकल गई। इसके बाद उसने शास्त्री पुल से गंगा में छलांग लगा दी।

पुलिस ने महिला की तलाश के लिए प्रयास किए, लेकिन गंगा की तेज धारा के कारण उसका तत्काल पता नहीं चल पाया। इस दौरान वह पानी के बहाव के साथ करीब 40 किलोमीटर दूर चुनार की ओर पहुंच गई।

मछुआरों ने गंगा से बाहर निकाला

बुधवार को चुनार घाट के पास गंगा में मछली पकड़ रहे मछुआरों की नजर महिला पर पड़ी। उन्होंने उसे सुरक्षित बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस महिला को उपचार के लिए अस्पताल ले गई। चुनार कोतवाली प्रभारी विजयशंकर सिंह ने बताया कि महिला मंगलवार शाम शास्त्री पुल से गंगा में कूदी थी। वह रातभर गंगा के बहाव में बहते हुए चुनार घाट के पास पहुंची, जहां मछुआरों ने उसे सुरक्षित बाहर निकाला। उपचार के बाद महिला

गाजियाबाद की सोसाइटी में 15वीं मंजिल से कूदकर छात्रा ने दी जान, 20 हड्डियां टूटीं... सिर में गंभीर चोटें

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र की सिद्धार्थ सोसाइटी में 15वीं मंजिल से कूदकर जान गवाने वाली 16 वर्षीय छात्रा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, छात्रा के हाथ, पैर और सिर समेत शरीर की करीब 20 हड्डियां टूट गई थीं। सिर में लगी चोट इतनी गंभीर थी कि उसकी हड्डियों को भी भारी नुकसान पहुंचा।

पुलिस को मौके से छात्रा का सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने पढ़ाई के दबाव से परेशान होने की बात लिखी है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सिद्धार्थ सोसाइटी निवासी छात्रा इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल में कक्षा दसवीं में पढ़ाई कर रही थी। मंगलवार करीब 6:45 बजे वह सोसायटी की 15वीं मंजिल से नीचे कूद गई। इसकी ऊंचाई करीब 150 फीट के आसपास बताई गई।

पढ़ाई के दबाव से परेशान थी छात्रा

घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम ने छात्रा को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस को मौके से छात्रा का लिखा हुआ सुसाइड नोट मिला। पुलिस के अनुसार, नोट में छात्रा ने एकेडमिक प्रेशर यानी पढ़ाई के दबाव से परेशान होने की बात कही। पुलिस ने सुसाइड नोट को जांच का हिस्सा बनाया है। मृतक छात्रा के परिवार से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके की घटना से पहले उसके सामने किस तरह की परिस्थितियों थीं। परिजनों का कहना है कि छात्रा परिवार के लिए बेहद महत्वपूर्ण थी और उसकी मौत से पूरा परिवार सदमे में है। पिता ने कहा कि अगर बेटी पढ़ाई को लेकर किसी तरह के दबाव में थी तो उसे परिवार से इस बारे में बात करनी चाहिए थी।

पुलिस की कार्रवाई पर परिवार ने जताई आपत्ति

परिवार ने पुलिस कार्रवाई को लेकर भी अपनी आपत्ति जताई है। एसीपी कोतवाली उपासना पांडे के मुताबिक, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की है। सुसाइड नोट की जांच के साथ ही पुलिस परिवार से और सोसाइटी में भी घटना से संबंधित जानकारी जुटा जा रही है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका है, लेकिन घटना से जुड़ी सभी परिस्थितियों की जांच की जा रही है। वहीं इस घटना ने एक बार फिर पढ़ाई और परीक्षा से जुड़े दवाब को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, बच्चों में तनाव या दबाव के संकेत दिखाई दें तो परिवार को उनसे खुलकर बात करनी चाहिए।

केले के फूल को खाने में शामिल करने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान

यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। हालांकि, केले के फूल का इस्तेमाल करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि इसका सही तरीके से उपयोग किया जा सके।

केले का फूल एक पौष्टिक और स्वादिष्ट सामग्री है, जिसे कई व्यंजनों में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। हालांकि, केले के फूल का इस्तेमाल करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि इसका सही तरीके से उपयोग किया जा सके। आइए जानते हैं कि केले के फूल का इस्तेमाल करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सही तरीके से साफ करें

केले के फूल का इस्तेमाल करने से पहले उसे अच्छे से साफ करना बहुत जरूरी है।

इसके लिए सबसे पहले बाहरी पत्तियों को हटाकर अंदर के हिस्से तक पहुंचें और उसे पानी से धो लें। इससे गंदगी और कीटाणु हट जाएंगे।

इसके बाद इसे छीलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें ताकि इसे आसानी से पकाया जा सके। सही तरीके से साफ करने से केले के फूल का स्वाद भी बेहतर हो जाएगा और यह सेहत के लिए भी फायदेमंद रहेगा।

पकाने से पहले भिगो दें

केले के फूल को पकाने से पहले उसे कुछ देर के लिए पानी में भिगो दें। इससे इसमें मौजूद कड़वाहट कम हो जाएगी और इसका स्वाद बेहतर हो जाएगा।

भिगोने के लिए एक बड़े बर्तन में पानी भरें और उसमें कटे हुए केले के फूल डालकर 30 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद इसे छान लें और आगे की प्रक्रिया के लिए तैयार कर लें। इससे आपका व्यंजन स्वादिष्ट बनेगा और सेहत के लिए भी अच्छा रहेगा।

मसालों का सही चयन करें

केले के फूल का स्वाद बढ़ाने के लिए सही मसालों का चयन करना अहम है। हल्दी, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, अदरक-लहसुन का पेस्ट आदि मसाले इसके साथ अच्छी तरह मिलते हैं।

इन मसालों का उपयोग करने से न केवल इसका स्वाद बढ़ता है बल्कि यह सेहत के लिए भी अच्छा रहता है।

मसालों को सही अनुपात में मिलाकर इस्तेमाल करें ताकि व्यंजन का स्वाद संतुलित रहे और यह अधिक पौष्टिक बने।

धीमी आंच पर पकाएं

केला के फूल को धीमी आंच पर पकाना सबसे अच्छा तरीका है। इससे यह अच्छी तरह से पकता है और इसका स्वाद भी बेहतरीन आता है।

तेज आंच पर पकाने से बाहर से जल सकता है जबकि अंदर कच्चा रह जाता है। धीमी आंच पर पकाने से न केवल इसका स्वाद बेहतर होगा बल्कि पौष्टिक तत्व भी बरकरार रहेंगे।

इस तरह आप अपने व्यंजनों को स्वादिष्ट और सेहतमंद बना सकते हैं।

धैर्य से पकाएं

केला के फूल को पकाते समय धैर्य रखना बहुत जरूरी है। जल्दीबाजी में पकाने से व्यंजन खराब हो सकता है या उसका स्वाद बिगड़ सकता है।

धीरे-धीरे सभी चरणों को पूरा करें ताकि आपका व्यंजन सही तरीके से तैयार हो सके।

इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपने रसोईघर में केले के फूल का सही उपयोग कर सकते हैं और अपने व्यंजनों को पौष्टिक बना सकते हैं।

फिसलन वाले जूते पहनने से हो रही है परेशानी? इन 5 हैक्स को अपनाएं

फिसलन वाले जूते पहनने से चलने में काफी दिक्कत होती है, खासकर अगर आप रोजाना ऑफिस या कॉलेज जाते हैं तो फिसलन वाले जूते पहनने से आपको कई बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप कुछ आसान और असरदार उपाय अपना सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने जूतों में पकड़ बढ़ा सकते हैं।

रबर बैंड का करें उपयोग

रबर बैंड का उपयोग करके आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ा सकते हैं।

इसके लिए आपको बस एक मोटा रबर बैंड लेना है और उसे अपने जूते की तलवे पर अच्छे से बांधना है। इससे आपके जूते फिसलेंगे नहीं और आप आराम से चल सकेंगे।

यह तरीका खासकर फ्लैट जूतों के लिए बहुत अच्छा है। इससे न केवल आपकी चलने की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि आप अपने जूतों को लंबे समय तक सही स्थिति में रख सकेंगे।

टेप से बनाएं समाधान

टेप एक ऐसा सामान है, जिसका उपयोग आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

इसके लिए आपको बस अपने जूते के तलवे पर टेप की एक पतली परत चिपकानी होगी। इससे आपके जूते फिसलेंगे नहीं और आप आराम से चल सकेंगे।

यह तरीका खासकर बारिश या गीली जगहों पर चलने के लिए बहुत अच्छा है। इससे न केवल आपकी चलने की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि आप अपने जूतों को लंबे समय तक सही स्थिति में रख सकेंगे।

नमक का करें उपयोग

नमक का उपयोग करके भी आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ा सकते हैं।

इसके लिए आपको बस थोड़ा सा नमक पानी में घोलकर अपने जूतों के तलवे पर लगाना है और कुछ देर के लिए छोड़ देना है। इससे नमक आपके जूतों के रबर को मजबूती देगा और फिसलन कम करेगा।

यह तरीका खासकर बारिश या गीली जगहों पर चलने वाले जूतों के लिए बहुत अच्छा है। इससे आपके जूते लंबे समय तक सही स्थिति में रहेंगे।

अखबार आएगा काम

अखबार एक ऐसा सामान है, जिसका उपयोग आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपने जूतों के अंदर अखबार की एक पतली परत डालनी होगी और कुछ घंटे के लिए छोड़ देना होगा।

इससे अखबार आपके जूतों के रबर को मजबूती देगा और फिसलन कम करेगा। यह तरीका खासकर बारिश या गीली जगहों पर चलने वाले जूतों के लिए बहुत अच्छा है। इससे आपके जूते लंबे समय तक सही स्थिति में रहेंगे।

मोम का करें उपयोग

मोम का उपयोग करके भी आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ा सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपने जूतों के तलवे पर मोम की एक पतली परत रगड़नी होगी और कुछ देर के लिए छोड़ देना होगा।

इससे मोम आपके जूतों के रबर को मजबूती देगा और फिसलन कम करेगा।

यह तरीका खासकर बारिश या गीली जगहों पर चलने वाले जूतों के लिए बहुत अच्छा है। इससे आपके जूते लंबे समय तक सही स्थिति में रहेंगे।

सिर्फ पानी काफी नहीं! शरीर में इन 5 इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस भी जरूरी, डॉक्टर ने समझाया

ज्यादातर लोग मानते हैं कि दिनभर में 2.5 लीटर पानी पीने से बॉडी हाइड्रेट हो जाती है। हाइड्रेशन को समझने के लिए इलेक्ट्रोलाइट्स की जानकारी होना जरूरी है। जानें इससे जुड़ी जरूरी बातें।

इलेक्ट्रोलाइट्स

गर्मी हो, ज्यादा पसीना आया हो या दिनभर काम करने के बाद शरीर टूटने लगे, तो हम सबसे पहले पानी पीते हैं। पानी पीना जरूरी भी है, लेकिन क्या सिर्फ पानी से शरीर की हाइड्रेशन की जरूरत पूरी हो जाती है? इसका जवाब हर स्थिति में एक जैसा नहीं है। खासकर जब शरीर से पसीने, उल्टी या दस्त के जरिए पानी के साथ कुछ जरूरी खनिज भी बाहर निकल जाएं, तब केवल पानी पर्याप्त नहीं हो सकता। हमारे शरीर में पानी के साथ कुछ खास खनिज भी लगातार काम करते हैं।

इन्हें इलेक्ट्रोलाइट्स कहा जाता है। ये शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने के अलावा नसों तक संदेश पहुंचाने, मांसपेशियों को सिकुड़ने और दिल की सामान्य धड़कन बनाए रखने में मदद करते हैं।

आखिर होते क्या हैं?

इलेक्ट्रोलाइट्स ऐसे खनिज हैं जो शरीर के तरल पदार्थों में घुलकर विद्युत आवेश पैदा करते हैं। इनमें मुख्य रूप से सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और क्लोराइड शामिल हैं। इनका काम अलग-अलग जरूर है, लेकिन शरीर के लिए सभी जरूरी हैं। उदाहरण के लिए, सोडियम शरीर में पानी के संतुलन और रक्त की मात्रा को बनाए रखने में मदद करता है। पोटैशियम नसों और मांसपेशियों के काम के साथ दिल की सामान्य धड़कन के लिए जरूरी है।

कैल्शियम मांसपेशियों के संकुचन में मदद करता है, जबकि मैग्नीशियम शरीर में ऊर्जा बनाने समेत कई रासायनिक प्रक्रियाओं में शामिल होता है। यानी शरीर को सिर्फ पानी नहीं, बल्कि पानी और जरूरी खनिजों के सही संतुलन की जरूरत होती है।

कब शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स कम हो सकते हैं?

हर व्यक्ति को रोज इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक पीने की जरूरत नहीं होती। सामान्य दिनों में संतुलित खान-पान और पर्याप्त तरल पदार्थों से शरीर को जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स मिल जाते हैं। लेकिन कुछ स्थितियों में इनकी कमी का खतरा बढ़ सकता है। जैसे बहुत ज्यादा पसीना आना, लंबे समय तक तेज एक्सरसाइज करना, उल्टी-दस्त होना, तेज बुखार, पर्याप्त खाना-पीना न होना या कुछ दवाओं का इस्तेमाल। ऐसे समय शरीर से पानी के साथ सोडियम और दूसरे इलेक्ट्रोलाइट्स भी कम हो सकते हैं।

सिरदर्द और कमजोरी को सिर्फ थकान न समझें

इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बिगड़ने पर हर किसी में एक जैसे लक्षण नहीं होते। कमजोरी, थकान, सिरदर्द, चक्कर, मांसपेशियों में ऐंठन या ध्यान लगाने में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। हालांकि, इन लक्षणों का मतलब हमेशा इलेक्ट्रोलाइट की कमी होना नहीं है। नींद की कमी, कम खाना, लो ब्लड प्रेशर, संक्रमण और कई दूसरी समस्याओं में भी ऐसे लक्षण हो सकते हैं। अगर उल्टी-दस्त के साथ बहुत कमजोरी, चक्कर, पेशाब कम होना, भ्रम या बेहोशी जैसी समस्या हो रही है, तो इसे सामान्य थकान समझकर घर पर ही इलाज करने के बजाय डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

क्या हर बार इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक पीना चाहिए?

यह एक आम गलतफहमी है कि पानी से ज्यादा फायदा इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक से ही होता है। ऐसा जरूरी नहीं है। अगर आप सामान्य दिन में पर्याप्त खाना खा रहे हैं, सामान्य मात्रा में पानी पी रहे हैं और बहुत ज्यादा पसीना नहीं निकल रहा, तो अलग से इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक की जरूरत आमतौर पर नहीं होती। वहीं, दस्त या उल्टी के कारण शरीर में पानी और लवण की कमी हो रही हो, तो सही मात्रा में तैयार किया गया ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ORS) ज्यादा महत्वपूर्ण हो सकता है।

ये लोग रहे अलर्ट

किडनी या दिल की बीमारी वाले लोगों को बिना सलाह के इलेक्ट्रोलाइट सप्लीमेंट या ज्यादा मात्रा में इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक लेने से बचना चाहिए। कुछ दवाएं भी शरीर में सोडियम या पोटैशियम के स्तर को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए अगर किसी व्यक्ति को बार-बार कमजोरी, ऐंठन, चक्कर या डिहाइड्रेशन की समस्या होती है, तो खुद से लगातार इलेक्ट्रोलाइट पाउडर या ड्रिंक लेने के बजाय इसकी वजह पता करना ज्यादा जरूरी है।

डॉ। एल। श्रीनिवास मूर्ति (सीनियर कंसल्टेंट फिजिशियन एवं डायबेटोलॉजिस्ट, लाइफ केयर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) के मुताबिक, हाइड्रेशन को सिर्फ पानी की मात्रा से नहीं समझना चाहिए। शरीर में पानी के साथ जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन भी महत्वपूर्ण है। हालांकि, हर व्यक्ति और हर परिस्थिति में इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक की जरूरत नहीं होती। जरूरत व्यक्ति की स्थिति और शरीर से तरल पदार्थ के नुकसान पर निर्भर करती है।

आखिर कितना पानी और कब इलेक्ट्रोलाइट?

सीधी बात यह है कि सामान्य दिनों में पानी और संतुलित आहार शरीर की हाइड्रेशन जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त होते हैं। बहुत ज्यादा पसीना आने, लंबे समय तक व्यायाम करने या उल्टी-दस्त जैसी स्थिति में शरीर को पानी के साथ इलेक्ट्रोलाइट्स की भी जरूरत पड़ सकती है।

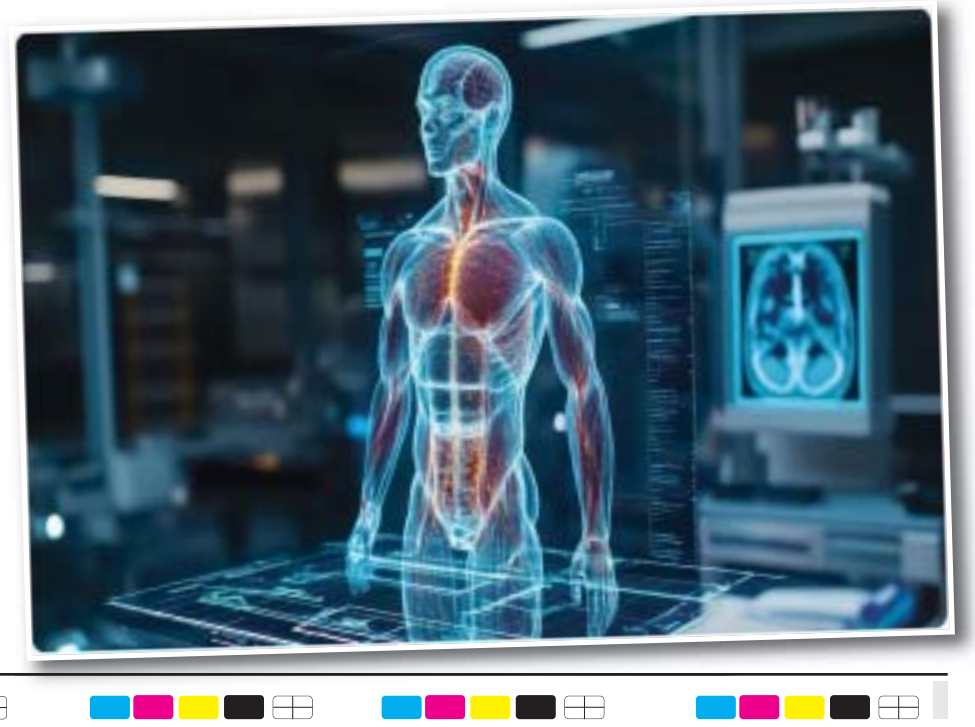

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, PF कवरेज की सैलरी लिमिट ₹15,000 से बढ़कर ₹25,000

केंद्रीय कैबिनेट ने प्रोविडेंट फंड कवरेज के लिए मासिक वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये करने की मंज़ूरी दे दी है, जिससे कर्मचारियों के लिए सोशल सिक्योरिटी का दायरा काफी बढ़ जाएगा।

केंद्र सरकार ने कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए प्रोविडेंट फंड (PF) कवरेज की मंथली सैलरी लिमिट ₹15,000 से बढ़ाकर ₹25,000 करने को मंजूरी दे दी है। इससे ज्यादा संख्या में कर्मचारी PF और सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ सकेंगे। PF कवरेज की लिमिट बढ़ाने का सीधा मतलब यह है कि अब ₹25,000 तक बेसिक सैलरी पाने वाले कर्मचारियों के लिए PF और पेंशन (EPS) कटवाना अनिवार्य हो जाएगा।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, इस फैसले से कर्मचारियों को बेहतर सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता मिलेगी। सरकार का अनुमान है कि इस बदलाव पर हर साल करीब ₹11,339 करोड़ का एक्स्ट्रा खर्च आएगा। सरकार का मानना है कि सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ने से कर्मचारियों को लंबे समय में फायदा होगा और कंपनियों को भी कर्मचारियों को बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

आसान भाषा में समझें लिमिट बढ़ने से क्या होगा?

आसान भाषा में समझें तो अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और DA मिलाकर ₹25,000 या उससे कम है, तो उसे EPF के दायरे में शामिल करना कंपनी के लिए जरूरी होगा। वहीं, अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी + DA ₹25,000 से ज्यादा है और वह पहली बार नौकरी कर रहा है यानी पहले से EPF का सदस्य नहीं है, तो उसके लिए EPF में शामिल होना अनिवार्य नहीं होगा। ऐसे कर्मचारी के पास EPF लेने या नहीं लेने का विकल्प रहेगा।

अनिवार्य योगदान की वेतन सीमा ₹15,000 ही रहेगी

यहां एक जरूरी बात समझना जरूरी है। EPF में अनिवार्य योगदान की वेतन सीमा ₹15,000 ही रहेगी। यानी कंपनी और कर्मचारी का अनिवार्य EPF योगदान ₹15,000 तक की सैलरी के हिसाब से ही तय होगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और DA मिलाकर ₹20,000 है, तो उसे EPF में शामिल करना अनिवार्य होगा, लेकिन अनिवार्य योगदान ₹15,000 की सीमा तक ही होगा।

अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और DA ₹30,000 है और वह पहले से EPF सदस्य नहीं है, तो नई नौकरी में EPF लेना उसके लिए अनिवार्य नहीं होगा। वह अपनी इच्छा के अनुसार EPF चुन सकता है। इसलिए ₹25,000 की नई सीमा का मुख्य असर EPF कवरेज पर है, जबकि अनिवार्य योगदान की सीमा ₹15,000 ही है।

₹1 करोड़ का घर खरीदें या ₹40 हजार किराया दें? 20 साल बाद कौन ज्यादा अमीर

₹1 करोड़ का घर खरीदें या ₹40 हजार किराए पर रहकर निवेश करें? 20 साल की गणना में किराएदार का अनुमानित कॉर्पस ₹4.90 करोड़, जबकि घर की कीमत ₹4.66 करोड़ हो सकती है।

घर खरीदना ज्यादातर लोगों के लिए जिंदगी का बड़ा फैसला होता है। लेकिन जब बात पैसों की आती है तो एक सवाल अक्सर सामने आता है—₹1 करोड़ का घर खरीदना बेहतर है या ₹40,000 महीने के किराए पर रहकर बाकी पैसा निवेश करना? एक गणना में 20 साल की अवधि के लिए दोनों विकल्पों की तुलना की गई है।

₹1 करोड़ का घर खरीदने पर कितना खर्च आएगा?

मान लीजिए किसी व्यक्ति के पास हर महीने घर के लिए करीब ₹70,000 का बजट है। वह ₹1 करोड़ का घर खरीदता है और 20 फीसदी यानी ₹20 लाख डाउन पेमेंट देता है। बाकी ₹80 लाख का होम लोन 8% ब्याज पर 20 साल के लिए लिया जाता है।

इस हिसाब से उसकी मासिक EMI करीब ₹66,900 बैठेगी। 20 साल में कुल EMI भुगतान करीब ₹1.161 करोड़ होगा। इसमें लगभग ₹80.16 लाख ब्याज शामिल है। डाउन पेमेंट जोड़ने पर घर पर कुल शुरुआती भुगतान करीब ₹1.181 करोड़ बैठता है। इसमें स्टांप ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन, मेंटेनेंस, टैक्स और मरम्मत जैसे खर्च शामिल नहीं हैं।

20 साल बाद घर की कीमत कितनी होगी?

घर की कीमत कितनी बढ़ेगी, यह प्रॉपर्टी की लोकेशन और बाजार पर निर्भर करेगा। उदाहरण के लिए, अगर ₹1 करोड़ की प्रॉपर्टी की कीमत हर साल औसतन 8% बढ़ती है तो 20 साल बाद इसकी अनुमानित कीमत करीब ₹4.166 करोड़ हो सकती है।

अगर सालाना बढ़ोतरी 5% रहती है तो कीमत करीब ₹2.165 करोड़ और 10% रहती है तो करीब ₹6.173 करोड़ हो सकती है। यानी प्रॉपर्टी की कीमत में बढ़ोतरी कोई तय या गारंटीड रिटर्न नहीं है।

₹40 हजार किराए पर रहें तो क्या होगा?

अब दूसरा व्यक्ति इसी तरह का घर ₹40,000 महीने के किराए पर लेता है। उसके पास ₹70,000 का मासिक बजट है, इसलिए किराया देने के बाद करीब ₹30,000 हर महीने निवेश करने के लिए बचते हैं।

अगर वह ₹30,000 की SIP 20 साल तक करता है और निवेश पर औसतन 12% सालाना रिटर्न मिलता है, तो यह रकम करीब ₹2.197 करोड़ हो सकती है।

इसके अलावा, घर खरीदने वाले ने जो ₹20 लाख डाउन पेमेंट दिया था, किराएदार के पास वह पैसा निवेश करने के लिए बचा रहता है। अगर इस ₹20 लाख पर भी 12% सालाना रिटर्न मानें तो 20 साल बाद यह करीब ₹1.193 करोड़ हो सकता है।

इस तरह दोनों निवेशों को मिलाकर किराएदार का अनुमानित कॉर्पस करीब ₹4.190 करोड़ बन सकता है।

गणित में किराएदार आगे, लेकिन कहानी इतनी आसान नहीं

इस उदाहरण में 20 साल बाद घर खरीदार के पास करीब ₹4.166 करोड़ की प्रॉपर्टी होगी, जबकि किराएदार के पास करीब ₹4.190 करोड़ का निवेश कॉर्पस होगा। यानी कागज पर करीब ₹24 लाख का अंतर दिखाई देता है।

लेकिन इस गणना की सबसे बड़ी शर्त यह है कि किराएदार लगातार 20 साल तक ₹30,000 निवेश करता रहे और उसे औसतन 12% रिटर्न मिलता रहे। बाजार से मिलने वाला रिटर्न तय नहीं होता।

किराया बढ़ा तो बदल जाएगा पूरा गणित

इस गणना में ₹40,000 का किराया 20 साल तक स्थिर माना गया है। असल जिंदगी में किराया समय के साथ बढ़ सकता है। उदाहरण के लिए, अगर किराया हर साल 5% बढ़े तो ₹40,000 का किराया 10 साल बाद करीब ₹65,000 और 20 साल बाद करीब ₹1.106 लाख महीने तक पहुंच सकता है।

ऐसे में किराएदार के पास हर महीने निवेश के लिए बचने वाली रकम कम हो सकती है। दूसरी तरफ, घर खरीदने वाले की EMI तय ब्याज दर वाले लोन में अपेक्षाकृत स्थिर रह सकती है।

घर खरीदने के साथ दूसरे खर्च भी हैं

घर खरीदने का मतलब सिर्फ EMI देना नहीं है। स्टांप ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन, मेंटेनेंस, प्रॉपर्टी टैक्स, इंश्योरेंस, रिपेयर और सोसायटी चार्ज जैसे खर्च भी होते हैं। वहीं किराए पर रहने का फायदा यह है कि जरूरत पड़ने पर शहर या घर बदलना आसान होता है।

इसलिए घर खरीदने या किराए पर रहने का फैसला सिर्फ 20 साल बाद की अनुमानित रकम देखकर नहीं किया जाना चाहिए। आपकी आय, नौकरी की स्थिरता, निवेश क्षमता, किराए में बढ़ोतरी और कितने साल उस शहर में रहना है—इन सभी बातों का असर पड़ता है।

रूस से तेल खरीदने पर 100% टैरिफ, भारत का अमेरिका को जवाब- समझौता नहीं करेंगे, अपने हिसाब से खरीदेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद ने कल एक संशोधन बिल पास किया जिसमें रूस से तेल और गैस खरीद करने वाले देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का रास्ता साफ हो गया। इस बिल के पास होने से भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगने का खतरा मंडराने लगा है। कांग्रेस इस मसले पर केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। तो वहीं अब सरकार की ओर से कहा गया कि इस बिल के पास होने पर सरकार ने संज्ञान लिया है, लेकिन वह समझौता नहीं करेगी। हमारी अगले कदम पर नजर रहेगी। विदेश मंत्रालय ने आज गुरुवार को इस संबंध में कहा, "भारत ने अमेरिकी कांग्रेस में रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने संबंधी अधिनियम पारित किए जाने का संज्ञान लिया है।"

अमेरिकी कांग्रेस में Sanctioning Russia and Iran Act पारित होने पर भारत की ओर से प्रतिक्रिया दी गई है। भारत सरकार ने कहा कि उसने अमेरिकी कांग्रेस में इस कानून के पारित होने का संज्ञान लिया है और इस मामले में आगे होने वाले घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, "भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए साफ किया कि 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा जरूरतों से किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाएगा। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

सिर्फ एक स्रेत पर निर्भर नहीं रहेंगे : MEA

भारत सरकार की ओर से कहा गया कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए अलग-अलग स्रोतों से खरीद जारी रखेगा। यानी भारत किसी एक देश या स्रोत पर निर्भर रहने की जगह अलग-अलग स्रोतों से सप्लाई की नीति पर आगे बढ़ेगा। मंत्रालय ने कहा कि भारत का फैसला बदलते अंतरराष्ट्रीय बाजार की परिस्थितियों के आधार पर होगा। सरकार ने साफ कर दिया है कि ऊर्जा आयात से जुड़े फैसले बदलते मार्केट हालात को ध्यान में रखकर लिए जाएंगे। अमेरिकी प्रतिबंधों के संभावित असर को लेकर भारत और अमेरिका के बीच हाल के महीनों में कई उच्चस्तरीय बातचीत हुई है। भारत ने बताया कि यह मुद्दा अलग-अलग अमेरिकी अधिकारियों के साथ उच्च स्तर पर उठाया गया है।

द्विपक्षीय रिश्तों पर असर नहीं पड़ेगा: MEA

भारत ने अमेरिका को सिर्फ द्विपक्षीय रिश्तों पर पड़ने वाले असर की बात नहीं बताई, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार पर संभावित प्रभाव को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। यानी अमेरिका की नई प्रतिबंध व्यवस्था को वह महज भारत और अमेरिका द्विपक्षीय मामले के तौर पर नहीं देख रहा है। अमेरिका की ओर से संभावित 100 फीसदी टैरिफ को देखते हुए भारत ने अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का संकेत दिए हैं। सरकार ने कहा है कि वह अपने व्यापार और आर्थिक हितों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सभी उपाय करने को लेकर दृढ़ है। भारत सरकार अब भारतीय व्यापार और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर आगे की रणनीति पर काम करेगी। बयान के मुताबिक, अमेरिकी कानून से पैदा होने वाले संभावित प्रभावों से निपटने के लिए सरकार व्यापार और उद्योग जगत के साथ करीबी समन्वय करेगी।

इस पूरे बयान में भारत ने अभी अमेरिकी कानून के संभावित आर्थिक प्रभाव का कोई अंतिम आकलन सार्वजनिक नहीं किया है। विदेश मंत्रालय ने फिलहाल यही कहा है कि वह आगे के घटनाक्रम पर नजर रख रहा है। ऐसे में भारत का संदेश दो स्तरों पर माना जा रहा है। ऊर्जा सुरक्षा जारी रहेगी और राष्ट्रीय आर्थिक हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। हालांकि, मौजूदा बयान में भारत ने यह साफ नहीं किया है कि अमेरिकी कानून के जवाब में वह कौन-से विशिष्ट कदम उठाएगा।

अमेरिका ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास का वीजा किया खारिज, UN बैठक में नहीं हो पाएंगे शामिल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने फिलिस्तीनी अथॉरिटी के राष्ट्रपति महमूद अब्बास का वीजा एप्लिकेशन खारिज कर दिया है। इससे वे अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं हो पाएंगे। अमेरिकी विदेश विभाग के इस फैसले के कारण वे महासभा को संबोधित नहीं कर पाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विदेश विभाग ने फिलिस्तीनी प्रतिनिधिमंडल को इसकी जानकारी दी। विभाग ने कहा कि इस फैसले के बाद वे अमेरिका की यात्रा नहीं कर पाएंगे और महासभा में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

इस फैसले का मतलब है कि अब्बास लगातार दूसरे साल न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। उम्मीद की जा रही है कि फिलिस्तीनी अधिकारी उनके

भाषण को दूर से या पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो के जरिए देने की व्यवस्था करेंगे।

यह फैसला संयुक्त राष्ट्र के मेजबान देश के तौर पर अमेरिका की जिम्मेदारियों पर भी ध्यान खींचता है। 1947 के संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय समझौते के तहत, अमेरिका को आम तौर पर आधिकारिक काम से संयुक्त राष्ट्र आने वाले विदेशी अधिकारियों के लिए प्रवेश की सुविधा देनी होती है। हालांकि, वॉशिंगटन का कहना रहा है कि उसके घरेलू कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं वीजा संबंधी फैसलों पर असर डाल सकती हैं।

यह मुद्दा पहले भी अमेरिका और उन देशों के बीच तनाव की वजह रहा है, जिनके अधिकारी UN की बैठकों में शामिल होना चाहते थे। अब्बास के UN को दूर से संबोधित करने की उम्मीद है। न्यूयॉर्क न जा पाने के बावजूद, उम्मीद है कि अब्बास जनरल असेंबली को दूर से संबोधित करेंगे। उनकी गैर-मौजूदगी ऐसे समय में हो रही है जब UN इजराइल-फिलिस्तीन विवाद, गाजा में मानवीय स्थिति, क्षेत्रीय सुरक्षा और फ़िलिस्तीनी राज्य के दर्जे से जुड़ी कोशिशों पर चर्चा की तैयारी कर रहा है।

इस बैठक से पहले, इस फैसले से वॉशिंगटन और फिलिस्तीनी नेतृत्व के बीच तनाव का एक और कारण पैदा होने की संभावना है। फिलिस्तीनी अधिकारियों और दूसरे आलोचकों का तर्क है कि अब्बास को एंट्री न देने से मान्यता प्राप्त फिलिस्तीनी प्रतिनिधिमंडल की UN की कार्यवाही में पूरी तरह से भाग लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

आतंकवादियों को सजा देने वाली अदालत ही खत्म, सीरिया की संसद ने लगाई मुहर

तेहरान, एजेंसी। सीरिया की नई संसद ने बुधवार को सर्वसम्मति से एक बिल पास किया। इसमें बशर अल-असद के दौर की आतंकवाद अदालत को पूरी तरह खत्म कर दिया गया। यानि आतंकवादियों को सजा देने वाली इस अदालत का अब कोई अस्तित्व नहीं रहेगा। इस अदालत के सभी फैसलों का कानूनी असर रद्द कर दिया गया।

सरकारी टीवी चैनल 'अल-एखबारिया' की रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार को हुए वोट से इस अदालत को खत्म करने की प्रक्रिया को औपचारिक रूप दिया गया। 2012 में बनी 'काउंटर-टेररिज्म कोर्ट' का इस्तेमाल पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासनकाल में हजारों सीरियाई लोगों पर "आतंकवाद से जुड़े" अपराधों के लिए मुकदमा चलाने में किया गया था।

67 जजों को किया था बर्खास्त

बुधवार का ये वोट अल-असद के सत्ता से हटने के बाद बनी पहली संसद के शुरुआती हफ्तों में हुआ। ये सदन पहली बार जुलाई में बैठा था। जून 2025 में राष्ट्रपति अहमद अल-शारा ने एक आदेश जारी कर 67 जजों को बर्खास्त कर दिया, जिन्होंने उस अदालत में काम किया था। इसे उन्होंने उस समय "खत्म की जा चुकी आतंकवाद-रोधी अदालत" बताया था। मार्च 2025 में सीरिया के नए संवैधानिक घोषणापत्र में साफ कहा गया था कि इस आतंकवाद अदालत के अन्यायपूर्ण फैसलों को रद्द किया जाएगा। इसमें उन लोगों की जब्त की गई संपत्ति वापस करने की बात भी शामिल थी। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार समिति ने 2024 में कहा था कि 2012 का वो कानून, जिससे यह अदालत बनी थी, लोगों को सही न्याय नहीं दे पाता था। समिति ने चिंता जताई थी कि लोग बिना वजह गिरफ्तार किए जाते थे, उन्हें यातना दी जाती थी और अदालत स्वतंत्र नहीं थी।

53 साल लंबा शासन कब हुआ खत्म?

ये वोट असेंबली के उन शुरुआती बड़े विधायी फैसलों में से एक है जो उसने अपने शुरुआती सत्रों में आंतरिक नियम और समितियां बनाने के बाद लिए हैं। अल-असद परिवार का 53 साल लंबा शासन 8 दिसंबर, 2024 को खत्म हो गया। ये सब 11 दिनों के अचानक हुए हमले के बाद हुआ, जिसने सीरिया और दुनिया को चौंका दिया था। इसके साथ ही क्रूर पुलिस-राज्य का भी अंत हो गया, जो यातना और लोगों के गायब हो जाने जैसी घटनाओं के लिए जाना जाता था।

सरकार को 90 दिन का टाइम देकर मनोज जरांगे ने तोड़ा अनशन, कहा– धोखा मिला तो मुंबई पहुंचेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। जालना के अंतरवाली सराटी से मुंबई की ओर निकले मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे ने सरकार को तीन महीने यानी 90 दिनों का समय दिया है। उन्होंने मांग की कि तीन महीने के भीतर सातारा गजट को लागू किया जाए। मनोज जरांगे ने कहा कि वह सरकार को तीन महीने का समय दे रहे हैं। अगर सरकार ने इस दौरान धोखा दिया, तो वे मुंबई पहुंचेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज से वह अपना अनशन स्थगित कर रहे हैं, लेकिन आंदोलन जारी रहेगा।

उनसे मुलाकात के लिए सरकार का प्रतिनिधिमंडल बीड के पाटोदा पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील, मंत्री दादा भुसे, विधायक प्रसाद लाड, विधायक सुरेश धस और बीड के जिलाधिकारी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने मनोज जरांगे के साथ बातचीत की। इसके बाद आज सुबह करीब 6 बजे मनोज जरांगे और सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त रूप से चर्चा की।

मनोज जरांगे ने मुंबई पहुंच चुके करीब 1 लाख 7 हजार समर्थकों से वापस लौटने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फिलहाल समर्थक वापस लौटें, लेकिन सरकार की ओर से मांगों पर धोखा मिलने की स्थिति में आंदोलन फिर से तेज किया जाएगा।

जरांगे ने अपने अनशन के 18वें दिन भाषण दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वे इतने शारीरिक रूप से थक चुके हैं कि हजारों समर्थकों के साथ लंबी यात्रा जारी नहीं रख सकते। उन्होंने मराठा समुदाय के लोगों से कहा कि पाटोदा से निकलने के बाद वे उनकी गाड़ी के पीछे न आएं। इसके बजाय, उन्होंने उनसे सीधे खोपोली में मिलने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर काफिला चलता रहा, तो वे यात्रा रोक सकते हैं और पाटोदा में अपना धरना फिर से शुरू कर सकते हैं या अंतरवाली सराटी लौट सकते हैं। रात करीब 1।30 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बावजूद, जरांगे ने पाया कि हजारों लोग उन्हें सुनने के लिए इंतजार कर रहे थे। इनमें महिलाएं भी शामिल थीं, सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 12 सितंबर को IV फ्लूइड बंद करने के बाद वे मुश्किल से ही अपने हाथ-पैर हिला पा रहे थे।

यूपीआई चार्ज पर मोदी सरकार के साथ सीएम उमर अब्दुल्ला, बताया क्यों सही है फैसला

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने UPI ट्रांजैक्शन पर लगने वाले शुल्क के मामले में केंद्र सरकार का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल-पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाए रखना और चलाना सस्ता नहीं है, लेकिन साथ ही सरकार को आम ग्राहकों का ध्यान रखने की सलाह भी दी।

सीएम ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, "ये शुल्क हर किसी पर नहीं लगाया जा रहा है। सबसे पहली बात, एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को पैसे भेजने पर कोई शुल्क नहीं लगता है। इसके अलावा, आम ग्राहकों से तब तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा जब तक वे एक तय सीमा से ज्यादा ट्रांजैक्शन न करें।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि UPI इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाए रखना और चलाना सस्ता नहीं है। उन्होंने बताया कि पेमेंट सिस्टम को चलाने में काफी पैसा खर्च होता है। उन्होंने कहा, "हकीकत यह भी है कि जब कोई चीज पूरी तरह से मुफ्त में मिलती है, तो हम अक्सर उसकी सही कीमत नहीं समझते। फिर भी, भारत सरकार को ये पक्का करना चाहिए कि आम नागरिकों पर इन शुल्कों का बोझ न पड़े। अगर कंपनियों से शुल्क लिया जाता है, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि वैसे भी कंपनियां UPI के जरिए काफी मुनाफा कमाती हैं।"

आने वाले विधानसभा सत्र के बारे में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ये सुनिश्चित करना होगी कि सदन का कामकाज सुचारू रूप से चले और विधायकों को संतोषजनक जवाब मिलें। उन्होंने कहा, "विधानसभा सत्र में दो तरह के एजेंडे होते हैं। एक तो सरकार का अपना विधायी कामकाज होता है। केंद्र शासित प्रदेश में पूर्ण राज्य की तुलना में यह स्वाभाविक रूप से कम होता है, लेकिन फिर भी ऐसे विधायी मामले होते हैं जिन्हें सरकार सदन के सामने पेश करती है। इसके साथ ही, माननीय विधायकों को चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों और लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर सवाल उठाने का मौका मिलता है। बिल और प्रस्ताव पेश किए जाते हैं।

विक्रम की पावर हाउस दिखने में फैमिली ड्रामा, गेट खुलते ही खून-खराबा, फैंस बोले- अपरिचित रिटर्न

अभिनेता चियान विक्रम की अगली फिल्म चियान 63 के टाइटल का एलान हो गया है। इस फिल्म का नाम पावर हाउस है। फिल्म निर्माताओं ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर फिल्म का टाइटल प्रोमो जारी किया , जिसमें आनंद शंकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म की एक शानदार और धमाकेदार झलक दिखाई गई है।

प्रोमो में घरेलू ड्रामा, हास्य और हिंसा का एक अनोखा मिश्रण देखने को मिल रहा है। साथ ही विक्रम के किरदार के एक गहरे पहलू की ओर भी इशारा किया गया है। प्रोमो की शुरुआत में अभिनेता को एक पुराने जमाने के घर में केले से भरी डाली को ले जाते हुए दिखाया गया है। इसके बाद मेखा राजन, सुभाष सेल्वम और संयुक्ता हेगड़े को अपने-अपने काम पूरे करने के बाद विक्रम को रिपोर्ट करते हुए दिखाया गया है, जो एक खानपान सेवा के कारोबार की ओर इशारा करता है।

विक्रम एक ऐसे केयरटेकर की भूमिका में नजर आते हैं, जो शादियों का आयोजन करता है और अपने द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के लिए आत्मविश्वास से 100त्न गारंटी देता है। सर्वम माया फेम रिया शिबू को उनकी भतीजी के रूप में पेश किया गया है, और प्रोमो में उन्हें अक्सर अपने ही ख्यालों में खोई रहने वाली लड़की के रूप में दिखाया गया है।

उर्वशी और वीटीवी गणेश के साथ रसोई के एक सीन में भी हल्का-फुल्का माहौल बना रहता है, जहां वे खाना बनाते समय हंसी-मजाक करते नजर आते हैं। हालांकि, माहौल तब बदल जाता है जब विक्रम कुछ सामान लेने के लिए स्टोर रूम की ओर जाते हैं।

प्रोमो में विक्रम का वह रूप दिखाया गया है जिसे अन्नियन कहा जा रहा है। गेट के खुलते ही कमरे में दो बुरी तरह घायल लोग पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि विक्रम शांति से खून साफ कर रहे हैं। यह सीन बताता है कि उसके साधारण दिखने के पीछे एक रहस्यमय और निर्दयी व्यक्ति छिपा है।

पावर हाउस का प्रोमो देख अब विक्रम के फैंस तरह-तरह के कमेंट्स पोस्ट कर रहे हैं। कोई लिख रहा है कि इस फिल्म से एक्टर का बिग कमबैक होगा। किसी ने लिखा है लगता है अपरिचित लौट रहा है। बता दें, फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी और तब पता चलेगा कि दर्शकों को विक्रम का यह अवतार कैसा लगेगा।

पावर हाउस के संगीतकार संतोष नारायणन हैं। सत्य ज्योति फिल्म्स ने अपने पोस्ट में सिनेमैटोग्राफर आरडी राजशेखर, गोपी प्रसन्ना (जो प्रोडक्शन डिजाइनर भी हैं) और कॉस्ट्यूम डिजाइनर-स्टाइलिश पूर्णिमा रामास्वामी को भी टैग किया है।

सत्य ज्योति फिल्म्स बैनर के तहत सेंधिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन द्वारा निर्मित पावर हाउस में शम्मी थिलाकन भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म से विक्रम और शंकर 10 साल बाद फिर साथ में आ रहे हैं। इस एक्टर-डायेरक्टर की जोड़ी ने साल 2016 में हिट फिल्म इरु मुगन दी थी।

8 साल बाद एक्ट्रेस की छोटे पर्दे पर वापसी, इस शो में आएंगी नजर; बताया क्यों ठुकरा रहीं थीं ऑफर्स

टीवी की मशहूर अभिनेत्री रश्मि देसाई जल्द ही एक बार फिर छोटे पर्दे पर वापसी करने वाली हैं। जानिए किस शो में नजर आएंगी एक्ट्रेस।

एक्ट्रेस रश्मि देसाई करीब 8 साल से टीवी से दूर थीं। उन्हें पॉपुलर शो 'उतरन' से काफी पहचान मिली थी। अब इतने लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर एक्ट्रेस छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

रश्मि देसाई करीब आठ साल बाद टीवी पर नजर आएंगी। रश्मि नए शो 'सयोनी' में माया का किरदार निभाती दिखाई देंगी। शो में उनके साथ जाह्नवी सोनी और गौतम सिंह विग भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

टीवी पर वापसी को लेकर रश्मि ने बताया कि वह सिर्फ पर्दे पर वापस आने के लिए किसी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। वह ऐसे किरदार और कहानी की तलाश में थीं, जिससे वह खुद को जोड़ सकें। इसी वजह से उन्होंने पिछले कुछ समय में कई ऑफर्स को ठुकरा दिया।

रश्मि ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनके पास काम के कई मौके आते हैं, लेकिन सिर्फ लगातार काम करते रहना और स्क्रीन पर नजर आना ही जरूरी नहीं है। उनके मुताबिक, कलाकार को ऐसा काम करना चाहिए जिसे लोग लंबे समय तक याद रखें। रश्मि को लगता है कि 'सयोनी' की कहानी में वही खास बात है और इसकी कहानी कलाकारों से भी बड़ी है।

कैसा रहेगा शो में रश्मि का किरदार?

अपने किरदार माया के बारे में बात करते हुए रश्मि ने बताया कि यह सिर्फ एक काल्पनिक किरदार नहीं है, बल्कि काफी व्यावहारिक है। अभिनेत्री के मुताबिक, हर कलाकार ऐसा किरदार निभाना चाहता है, जिसे खूबसूरती से लिखा गया हो।

कब शुरू होगा 'सयोनी' शो?

रश्मि देसाई इससे पहले 'उतरन' जैसे लोकप्रिय टीवी शो में नजर आ चुकी हैं।

अब करीब 8 साल बाद वह 'सयोनी' के साथ टीवी पर वापसी कर रही हैं।

यह शो 23 सितंबर से शाम 7:30 बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

2 करोड़ की हनुमान अंश ने बटोरे 279 करोड़, बनी तीसरी सबसे बड़ी हिट फिल्म, मिज़ार्पुर मूवी 300 करोड़ क्लब की ओर

विशाल चतुर्वेदी की भक्ति प्रधान फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी शानदार सफलता से बड़ी बजट वाली फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। महज 2 करोड़ रुपये के मामूली बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में अब तक 279.80 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। इसके साथ ही यह 2026 में दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी हिंदी फिल्म बन गई है।

खास बात यह है कि फिल्म ने महज 10 लाख रुपये की शुरुआती कमाई के साथ अपना सफर शुरू किया था। इसके बाद दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते फिल्म ने लगातार मजबूत प्रदर्शन किया और अब 300 करोड़ रुपये के वैश्विक कारोबार के बेहद करीब पहुंच गई है।

'हनुमान अंश' ने कमाई के मामले में 'मिर्जापुरः द मूवी' और 'भूत बंगला' जैसी चर्चित फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। इस साल अब तक केवल 'धुरंधर 2' और 'बॉर्डर 2' ही इससे अधिक कमाई करने में सफल रही हैं। फिल्म का छठा सप्ताह भी बेहद शानदार रहा। सप्ताह के आखिरी तीन दिनों में फिल्म ने 51 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया। इसके साथ भारत में इसकी कुल कमाई 222.88 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। विदेशों में भी फिल्म को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिला है और वहां से करीब 16.50 करोड़ रुपये की कमाई हुई है।

बड़ी बजट वाली फिल्मों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद 'हनुमान अंश' की कमाई लगातार जारी है। फिल्म की सफलता में दर्शकों की सकारात्मक मौखिक प्रतिक्रिया को अहम वजह माना जा रहा है। शुरुआती दिनों में धीमी शुरुआत के बाद फिल्म ने जिस तरह अपनी पकड़ मजबूत की, उसने कारोबार के लिहाज से इसे 2026 की सबसे बड़ी सफल फिल्मों में शामिल कर दिया है।

पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु अभिनीत 'मिर्जापुरः द मूवी' ने भी सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। रिलीज के 11वें दिन तक फिल्म ने भारत में करीब 225 करोड़ रुपये की सकल कमाई कर ली है। दुनिया भर में इसका कारोबार अब 275 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है।

फिल्म की भारत में शुद्ध कमाई 195 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। वहीं, 11वें दिन तक भारत में इसकी सकल कमाई लगभग 225 करोड़ रुपये रही। दूसरे सप्ताह में फिल्म की कमाई की रफ्तार कुछ धीमी जरूर हुई है, लेकिन अब भी इसका प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है।

'मिर्जापुरः द मूवी' को अपनी लोकप्रिय फ्रैंचाइजी की पहले से स्थापित लोकप्रियता का लाभ मिल रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, फिल्म के हिंदी संस्करण ने भारत में करीब 223 करोड़ रुपये की सकल कमाई की है, जबकि तेलुगु संस्करण से लगभग 2 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। इस तरह भारत में फिल्म की कुल सकल कमाई 225 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है।

फिल्म की सफलता यह भी दिखाती है कि लोकप्रिय धारावाहिक से बनी इस फ्रैंचाइजी की पकड़ केवल धारावाहिक देखने वाले दर्शकों तक सीमित नहीं है, बल्कि बड़े पर्दे पर भी इसे दर्शकों का मजबूत समर्थन मिल रहा है।

दुनियाभर में करीब 275 करोड़ रुपये की कमाई के साथ 'मिर्जापुरः द मूवी' 2026 की बेहतर प्रदर्शन करने वाली हिंदी फिल्मों में शामिल हो गई है। भारत में इसके 250 करोड़ रुपये की सकल कमाई का आंकड़ा पार करने की संभावना बनी हुई है।

हालांकि, दुनिया भर में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के लिए दूसरे सप्ताह के बाद फिल्म की कमाई की रफ्तार महत्वपूर्ण होगी। वहीं, 'हनुमान अंश' के 279.80 करोड़ रुपये तक पहुंचने से दोनों फिल्मों के बीच कमाई की प्रतिस्पर्धा भी दिलचस्प हो गई है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com